भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति समय रहते अपने जीवन की दिशा सुधार लेता है, वही परिस्थितियों को दोष देने के बजाय अपने भविष्य का निर्माता बन जाता है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication

A/C No: 61347330768

IFSC Code- SBIN0031880

Phone pe , G-pay

9983040937

न्यूज विंडो

पूर्णिमा विश्वविद्यालय की छात्रा हिमांशी तिवारी को ले कॉर्बूज़ियर गोल्ड मेडल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर की प्रतिभाशाली छात्रा हिमांशी तिवाड़ी ने बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (बी.आर्क) अंतिम वर्ष की थिसिस में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर ले कॉर्बूज़ियर गोल्ड मेडल हासिल कर विश्वविद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में उन्हें प्रदान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने हिमांशी तिवाड़ी को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। हिमांशी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनके ताऊजी प्रभुशरण तिवाड़ी एवं पिता अंजनीकुमार तिवाड़ी ने इस सफलता को मेहनत, अनुशासन और लगन का परिणाम बताया।हिमांशी तिवाड़ी की इस सफलता पर चिड़ावा शहर के गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। यह उपलब्धि क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

ग्रामीण समस्या समाधान: पूगल में आयोजित हुआ शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । पंचायत समिति पूगल में बुधवार को समस्या समाधान शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान उपखंड अधिकारी दिव्या बिश्नोई, तहसीलदार अशोक पारीक तथा ब्लॉक विकास अधिकारी गोपाराम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहें। उपखंड अधिकारी ने सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।उनकी समस्याएं सुनी और तुरंत निस्तारित करने के निर्देश दिए। शिविर में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा गंगाजली व 8AD में क्रमशः 6.3225 हेक्टर जमीन वन/नमो पार्क के लिए चिन्हीकरण की गई। कृषि विभाग द्वारा 130 किसानों की प्रधानमंत्री फसल बीमा पॉलिसी की गई एवं 620 किसानों को मिनी किट वितरित किए गए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में 443 लोगों का उपचार किया गया। 93 महिलाओं के ओरल, ब्रेस्ट, सर्वाइकल, कैंसर की स्क्रीनिंग की महिलाओं की गई। टीबी रोग की स्क्रीनिंग किए गए व्यक्तियों की संख्या 113 रही। शिविर में पोषण किट भी वितरित किए गए। रसद विभाग द्वारा एनएफएसए के तहत 3 ईकेवाईसी, राजस्व विभाग द्वारा 2 खाते विभाजन, पंचायती राज विभाग द्वारा जन्म व विवाह प्रमाण पत्र जारी किए गए। ऊर्जा विभाग द्वारा विद्युत सप्लाई में व्यवधान संबंधी एवं बिजली के ढीले तारों व खंबो को व्यवस्थित करने संबंधी शिकायतों का निस्तारण किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वार्षिक सत्यापित पेंशनर्सो की संख्या 58 रही एवं 70 वर्ष अधिक आयु के आवेदकों एवं विशेष योग्य जनों के 8 फॉर्म ऑनलाइन हुए। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में 4 आवेदन किए गए।

राष्ट्रीय किसान दिवस पर कानासर में किसानों को सिखाए प्राकृतिक खेती के गुर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.कानासर (फलोदी)।

राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत कानासर में बुधवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हिन्दुजा लीलैंड फाइनेंस की सतत् जल प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत आयोजित हुआ, जिसमें कानासर, नुरे की भुर्ज, कालू की ढाणी और लिखामासर गांवों के लगभग 80 प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की। कार्यशाला में कृषि विज्ञान केंद्र (चङ्कच्) फलोदी से आए मुख्य वक्ता डॉ. श्री किसन बेरवा एवं डॉ. गजानन्द नागल ने किसानों को आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती की तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बताया कि रासायनिक कीटनाशकों के स्थान पर घर पर तैयार किए जा सकने वाले प्राकृतिक उपाय अपनाकर नाशीजीव नियंत्रण किया जा सकता है, जिससे लागत भी कम होती है और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। उन्होंने क्षेत्र की जलवायु के अनुकूल जीरा, इसबगोल, सरसों, गेहूं और बाजरा की उन्नत किस्मों के चयन पर जोर दिया। साथ ही मिट्टी की सेहत बनाए रखने के लिए यूरिया और डीएपी के अत्यधिक उपयोग से बचने तथा अच्छी तरह से तैयार गोबर की खाद के प्रयोग की सलाह दी गई। किसानों को खेत की मिट्टी एवं पानी की जांच कराने और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया भी समझाई गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में परियोजना कोर्डिनेटर सिद्धार्थ शिखवाल, धर्मेन्द्र जोशी और दुर्गा जयपाल का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने किसानों को जल संरक्षण के साथ-साथ टिकाऊ एवं लाभकारी खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। किसानों ने इस प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से उन्हें प्राकृतिक खेती की नई तकनीकें सीखने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने में मदद मिलती है।

अरावली रेंज में नए खनन पट्टे जारी करने पर रोक:

केंद्र के सभी राज्यों को निर्देश; राजस्थान के 15 जिलों में फैली है पहाड़ी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पूरी अरावली रेंज में नई माइनिंग लीज जारी करने पर रोक लगा दी है। केंद्र ने राज्य सरकारों को अरावली में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए हैं। यह प्रतिबंध पूरे अरावली पर समान रूप से लागू होंगे। केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से जारी लिखित बयान के मुताबिक इस आदेश का मकसद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक फैली सतत भूवैज्ञानिक श्रृंखला के रूप में अरावली की रक्षा करना और सभी अनियमित खनन गतिविधियों को रोकना है।

अरावली के लिए ICFRE बनाएगा नया माइनिंग प्लान, इसे सार्वजनिक किया जाएगा

भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (ICFRE) को पूरे अरावली क्षेत्र में लगातार खनन के लिए एक व्यापक, साइंटिफिक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस प्लान में पर्यावरणीय प्रभाव और पारिस्थितिक वहन क्षमता का आकलन करने के साथ-साथ पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील और संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करेगी। बहाली और पुनर्वास के उपाय निर्धारित करेगी। इस प्लान को संबंधित स्टेक होल्डर से परामर्श के लिए सार्वजनिक किया जाएगा।

गहलोत बोले- केंद्र के फैसले में कुछ भी नया नहीं है

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने केंद्र के फैसले को ट्विट किया है। उन्होंने लिखा- भारत सरकार द्वारा राज्यों को अरावली में ICFRE के माध्यम से 'मैनेजमेंट प्लान फॉर सस्टेनेबल माइनिंग' (MPSM) बनने तक नए पट्टे जारी करने पर रोक लगाना, केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बिंदु 50 के उप-बिंदु (1) की पालना है। इसमें कुछ भी नया नहीं है।

अरावली में संरक्षित और खनन प्रतिबंधित दायरे को और बढ़ाया जाएगा

केंद्र सरकार के बयान के मुताबिक पूरे अरावली क्षेत्र में खनन से सं?रक्षित और प्रति?बंधित क्षेत्रों के दायरे को और बढ़ाया जाएगा। अरावली पर तैयार किए जा रहे प्लान में इसका खास ध्यान रखा जाएगा।

नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने दिया था फैसला

20 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली भू-आकृति को ही अरावली पहाड़ी माना जाएगा। इस मानक से अरावली की 90' से ज्यादा पहाड़ियां संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगी। इस फैसले के बाद अरावली को बचाने की आवाजें तेज हो गईं।

पहले से चालू खानों पर पर्यावरण मापदंडों पर सख्ती करने और अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के निर्देश

केंद्र सरकार ने अरावली इलाके में पहले से ही चालू खदानों के बारे में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुरूप सभी पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। केंद्र ने राज्य सरकार से कहा है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए मौजूदा खानों पर अतिरिक्त प्रतिबंधों के साथ सख्ती से नियम-रेगुलेशन लागू किए जाए।

केंद्र ने कहा- अरावली के संरक्षण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के बयान के अनुसार केंद्र सरकार अरावली इको सिस्टम के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सरकार का मानना है कि मरुस्थलीकरण को रोकने, जैव विविधता के संरक्षण, पानी के स्रोतों के रिचार्ज और क्षेत्र के लिए पर्यावरणीय सेवाओं में अरावली की भूमिका महत्वपूर्ण है।

अरावली संरक्षण की मांग, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन: इंद्रमणि पार्क से कलेक्ट्रेट सर्किल तक निकाली गई रैली

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । चूरू में अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण की मांग को लेकर बुधवार को जनआंदोलन किया गया। शहीद भगतसिंह युवा क्रान्तिकारी मंच के देखरेख में युवाओं, किसानों, पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने इंद्रमणि पार्क से कलेक्ट्रेट सर्किल तक शांतिपूर्ण रैली निकाली। रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'अरावली बचाओ, पर्यावरण बचाओ' और 'आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करो' जैसे नारे लगाए। कलेक्ट्रेट सर्किल पहुंचने के बाद, उन्होंने एसडीएम सुनील कुमार को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। संस्थान के राजेश चौधरी ने बताया कि अरावली पर्वत श्रृंखला भारत की प्राचीनतम पर्वतमालाओं में से एक

है। यह राजस्थान सहित उत्तर-पश्चिम भारत के पर्यावरणीय संतुलन की आधारशिला है। यह पर्वतमाला भू-जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, जैव विविधता की रक्षा और मरुस्थलीकरण को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ज्ञापन में भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत अरावली की वर्तमान परिभाषा पर पुनर्विचार की मांग की गई। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि अरावली को सीमित तकनीकी या संख्यात्मक मापदंडों में बांधा गया, तो इसके बड़े भू-भाग के संरक्षण से बाहर होने का खतरा है। उन्होंने कहा कि इससे अवैध खनन, वनों का क्षरण और जल संकट गहराएगा। प्रदर्शनकारियों ने अरावली पर्वतमाला को उसकी संपूर्ण भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान के साथ स्थायी संरक्षण देने और अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने इस मुद्दे को जनहित और राष्ट्रहित से जुड़ा बताया।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी, 2 दिन शीतलहर की चेतावनी: 4 शहरों में पारा 5 डिग्री से नीचे आया, ओस जमी, सिरोही सबसे ठंडा

जयपुर

उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर खत्म होने के साथ ही उत्तरी हवाएं फिर से मैदानी राज्यों में आने लगीं। बुधवार को राज्य में सर्द हवाओं के कारण पारा 7 डिग्री तक गिर गया। सीकर, फतेहपुर, माउंट आबू में तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। शेखावाटी के इलाके में तेज सर्दी से ओस की बूंदें जम गईं। अगले 2 दिन तक चूरू, झुंझुनूं, सीकर और नागौर जिलों में कोल्ड-वेव की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि घने कोहरे से बुधवार को राहत रही। प्रदेश के अधिकांश शहरों में आसमान साफ रहा, जिससे दिन में तेज धूप रही।

आबूसर-दुर्जनपुरा में लगेगा 1800KV का सोलर प्लांट: सालाना 28 लाख यूनिट प्रोडक्शन का टारगेट

किसानों का बिजली संकट खत्म होगा

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । झुंझुनूं जिले के आबूसर-दुर्जनपुरा के किसानों के लिए राहत की खबर है। पीएम कुसुम कंपोनेंट योजना 'ए' के तहत क्षेत्र में 1800 किलोवाट का सोलर पावर प्लांट लगाया जा रहा है, जिससे सालाना करीब 28 लाख यूनिट बिजली मिलेगी। इससे किसानों को सिंचाई के लिए रात-रात भर जागने की मजबूरी

खत्म होगी, बिजली पर होने वाला खर्च घटेगा। परियोजना न केवल किसानों की सिंचाई समस्या हल करेगी, बल्कि खेती की लागत कम कर आमदनी बढ़ाने में भी मददगार साबित होगी।

सिंचाई के लिए नहीं करना पड़ेगा रात का इंतजार

इस परियोजना के धरातल पर उतरने से किसानों को सिंचाई, मोटर पंप और अन्य कृषि उपकरणों के संचालन के लिए भरोसेमंद और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध होगी। अब किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए बिजली के इंतजार में रातभर जागना नहीं पड़ेगा। दिन के समय पर्याप्त बिजली मिलने से खेती और सिंचाई में सुविधा मिलेगी।

सोहली गांव मारपीट मामला: नायक समाज की बहू को कथित रूप से अगवा कर लिव-इन में रखने से उपजा विवाद

नौ आरोपियों को कोर्ट से जमानत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

सोहली गांव में हुए मारपीट प्रकरण में पचेरी कला थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए दलित नायक परिवार के नौ सदस्यों को न्यायालय से जमानत मिल गई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट बुहाना ने सुनवाई के उपरांत खेतड़ी जेल में निरुद्ध सभी अभियुक्तों को जमानत पर रिहा करने के आदेश जारी किए। न्यायालय के आदेशानुसार 24 दिसंबर को कृष्णा देवी पत्नी विजयपाल, मुकेश देवी उर्फ निशा पत्नी लालचंद, सुमन पत्नी सुरताराम, सुरताराम पुत्र फूलचंद, विजयपाल पुत्र फूलचंद, धर्मेंद्र पुत्र बहादुर सिंह, सतीश उर्फ टिंकू पुत्र लालचंद, राजेंद्र पुत्र चंदगीराम तथा अमित उर्फ धरना पुत्र धर्मपाल, सभी निवासी सोहली, को जेल से तत्काल रिहा किया गया। मामले में अभियुक्तों की ओर से अधिवक्ता रामस्वरूप यादव ने न्यायालय के समक्ष तथ्यात्मक पक्ष रखते हुए जमानत आवेदन प्रस्तुत किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने सभी अभियुक्तों को जमानत पर रिहा करने का आदेश पारित किया। ग्रामीणों व अभियुक्त पक्ष के अनुसार विवाद की जड़ गांव में अस्थायी रूप से टायर पंचर की दुकान चलाने वाले सुंदर पुत्र अमर सिंह से जुड़ी है। आरोप है कि उसने नायक समाज के मोहल्ले में दुकान लगाकर पहले परिवार से नजदीकियां बढ़ाईं और बाद में सोनू नायक की पत्नी नीतू को कथित रूप से बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया तथा उसे लिव-इन रिलेशनशिप में रख रहा है।

प्राइवेट स्कूलों में स्वागत सत्कार करवाने पर लगी पाबंदी: जांच, निरीक्षण और प्रेक्टिकल एग्जाम में गिफ्ट लेने वाले टीचर्स पर भी होगी कार्रवाई, आदेश जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज

बीकानेर । राजस्थान के शिक्षा विभाग ने प्राइवेट स्कूलों में निरीक्षण, जांच और परीक्षाओं के दौरान होने वाले स्वागत-सत्कार पर पाबंदी लगा दी है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने एक आदेश जारी किया है। इसमें साफ कहा गया है कि किसी भी स्तर पर निरीक्षकों, वीक्षकों या अन्य अधिकारियों की मेहमानवाजी, आतिथ्य या स्वागत की परंपरा पर पूरी तरह रोक रहेगी। दरअसल, समय-समय पर शिक्षा विभाग की ओर से निजी स्कूलों में मान्यता, क्रमोन्नति, परीक्षा, प्रेक्टिकल एग्जाम और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के तहत निरीक्षण किए जाते हैं। इन अवसरों पर कई बार स्कूल प्रबंधन द्वारा अधिकारियों का स्वागत, भोजन व्यवस्था, ठहरने का इंतजाम किया जाता है। उपहार भी दिए जाते हैं। इसी को देखते हुए विभाग ने यह निर्देश जारी किए गए हैं।

प्रेक्टिकल सिर्फ सरकारी टीचर लेंगे

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रेक्टिकल परीक्षाओं के दौरान बाहरी वीक्षकों की नियुक्ति केवल गवर्नमेंट स्कूलों में काम रहे शिक्षकों में से ही की जाएगी। निजी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को किसी भी स्तर पर वीक्षक नहीं बनाया जाएगा। इसके साथ ही परीक्षा या निरीक्षण के दौरान किसी तरह का दबाव, अनुचित गतिविधि या नियमों के खिलाफ आचरण पाए जाने पर तत्काल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर और जिला शिक्षा अधिकारी को सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

संभागीय संयुक्त निदेशक और डीईओ होंगे जिम्मेदार

शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और संभागीय संयुक्त निदेशकों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्राधिकार में इन आदेशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें। साथ ही स्कूलों, छात्रों और अभिभावकों को भी इस बारे में जागरूक करने के लिए कहा गया है, जिससे पारदर्शी और निष्पक्ष शैक्षणिक वातावरण बना रहे।

रेगुलर स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल एग्जाम 1 जनवरी से होंगे शुरू

बता दें कि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (RBSE) की ओर से 12वीं क्लास के प्रैक्टिकल एग्जाम की डेट डिसाइड कर दी गई है। रेगुलर स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल एग्जाम 1 जनवरी और प्राइवेट स्टूडेंट्स के 25 जनवरी 2026 से शुरू होंगे।

किसी भी प्रकार की मेहमान नवाजी पर रहेगा प्रतिबंध

शिक्षा विभाग ने किसी भी मामले की जांच या निरीक्षण के दौरान अधिकारी किसी भी तरह की मेहमाननवाजी स्वीकार नहीं करेगा। वहीं होटल में ठहराने की व्यवस्था, भोजन, जलपान अपने स्तर पर करेगा। इसके लिए राज्य सरकार संबंधित कर्मचारी व अधिकारी को सुविधा देती है।

संस्था पर भी होगी कार्रवाई

आदेश के तहत न सिर्फ अधिकारी बल्कि संबंधित संस्था पर भी कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई संस्था या स्कूल इस तरह की व्यवस्था करता पाया गया तो उसे गंभीर अनुशासनात्मक अनियमितता माना जाएगा। संबंधित संस्था प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

संस्कृति की थाली से स्वास्थ्य की राह : फास्ट फूड के शोर में खोता आयुर्वेदिक विवेक

आज का मनुष्य जितनी तेज़ रफ्तार से आगे बढ़ा है, उतनी ही तेज़ी से वह अपने स्वास्थ्य से दूर होता चला गया है। भागदौड़ भरी जीवनशैली, देर रात तक जागना, अनियमित दिनचर्या और स्वाद के नाम पर फास्ट फूड व पैक्ड भोजन का बढ़ता चलन–ये सब आधुनिकता के ऐसे प्रतीक बन गए हैं, जिनकी कीमत हमें अपने शरीर और मन से चुकानी पड़ रही है। कभी जिन रोगों को उम्र के अंतिम पड़ाव से जोड़ा जाता था, वे आज युवाओं और बच्चों तक में आम हो चुके हैं। मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, पाचन विकार, गैस, कब्ज़ और गुदा मार्ग से जुड़ी गंभीर बीमारियां–भगंदर, फिस्टुला और फिशर–अब अपवाद नहीं, बल्कि बढ़ती वास्तविकता बनती जा रही हैं। यह स्थिति केवल चिकित्सा की समस्या नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और जीवन-दृष्टि के पतन का संकेत भी है। यहां पर बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

हमारे सनातन चिंतन में भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित रखने की औषधि माना गया है। 'जैसा खाओगे अन्न, वैसा बनेगा मन '–यह कहावत केवल नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि गहन वैज्ञानिक सत्य है। परंतु आज हम उस संस्कृति से कटते जा रहे हैं, जहाँ ऋतु के अनुसार भोजन, जड़ी-बूटी आधारित आहार, सादा और सुपाच्य भोजन को प्राथमिकता दी जाती थी। फास्ट फूड संस्कृति ने हमारे स्वाद को तो भटका ही दिया, हमारे पाचन तंत्र को भी कमजोर कर दिया है। अधिक तला-भुना, रिफाइंड, रासायनिक तत्वों से भरा भोजन धीरे-धीरे शरीर में विष की तरह जमा हो रहा है, जिसका परिणाम तरह-तरह के रोगों के रूप में सामने आ रहा है।

कार्यक्रमों और चिंतन बैठकों में वक्ताओं द्वारा जताई गई चिंता पूरी तरह प्रासंगिक है कि पाचन तंत्र की उपेक्षा ही अधिकांश रोगों की जड़ है। आयुर्वेद स्पष्ट रूप से कहता है कि यदि अग्नि–अर्थात पाचन शक्ति–संतुलित है, तो रोग शरीर में टिक नहीं सकते। लेकिन आज हम भूख से नहीं, घड़ी देखकर खाते हैं; शरीर की ज़रूरत से नहीं, स्वाद की लालसा से खाते हैं। ऊपर से मोबाइल, टीवी और तनाव के साथ भोजन करना हमारी आदत बन चुकी है। ऐसे में पाचन बिगड़ना स्वाभाविक है और जब पाचन बिगड़ता है, तो शरीर के निचले मार्ग से जुड़ी बीमारियां भी जन्म लेती हैं, जिन्हें लोग सामाजिक संकोच के कारण छुपाते रहते हैं। यही झिझक बाद में गंभीर पीड़ा और जटिल शल्य चिकित्सा का कारण बन जाती है।

ऐसे समय में भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की विश्वविख्यात धरोहर क्षारसूत्र विधि आशा की किरण बनकर सामने आती है। बगड़ दादू पंथ के महामंडलेश्वर अर्जुन दास जैसे संत-महात्माओं और विद्वानों ने जिस प्रकार आयुर्वेद औषधियों के गुण, धर्म और लाभों पर प्रकाश डाला है, वह हमें अपनी जड़ों की ओर लौटने का आह्वान करता है। क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा केवल एक उपचार विधि नहीं, बल्कि भारतीय सनातन वैज्ञानिक दृष्टि का जीवंत प्रमाण है। यह विधि गुदा मार्ग की बीमारियों में बिना बड़े ऑपरेशन, कम पीड़ा और स्थायी समाधान प्रदान करती है। यही कारण है कि आज विदेशों से भी रोगी भारत आकर इस पद्धति का लाभ ले रहे हैं। विडंबना यह है कि जिसे दुनिया सराह रही है, उसी को हम आधुनिकता के भ्रम में भूलते जा रहे हैं।

स्वास्थ्य की इस गिरावट को रोकने के लिए हमें बड़े प्रयासों से पहले छोटे संकल्प लेने होंगे। सबसे पहला कदम है–अपने खानपान में बदलाव। फास्ट फूड को सुविधा नहीं, आपात स्थिति तक सीमित करना होगा। घर का ताज़ा, मौसमी, स्थानीय और सादा भोजन अपनाना होगा। दाल, चावल, मोटे अनाज, हरी सब्ज़ियां, छाछ, दही, और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जैसे त्रिफला, सौंफ, अजवाइन, हल्दी और अदरक को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। दूसरा महत्वपूर्ण कदम है–दिनचर्या का संतुलन। समय पर सोना, समय पर उठना, नियमित चलना, योग और प्राणायाम को दिनचर्या में शामिल करना कोई विलास नहीं, बल्कि आवश्यकता है। इसके साथ ही समाज में खुलकर संवाद की भी ज़रूरत है। गुदा मार्ग से जुड़ी बीमारियाँ कोई शर्म की बात नहीं, बल्कि समय पर इलाज न कराने की लापरवाही शर्मनाक हो सकती है। जागरूकता कार्यक्रमों, आयुर्वेदिक शिविरों और जनसंवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि छुपाने से रोग बढ़ता है, और अपनाने से समाधान मिलता है। सरकार, समाज और चिकित्सा जगत–तीनों को मिलकर ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना होगा, जहाँ उपचार से पहले रोकथाम को महत्व दिया जाए।

अंततः प्रश्न केवल रोगों से बचने का नहीं, बल्कि जीवन को फिर से प्रकृति और संस्कृति के साथ जोड़ने का है। यदि हम अपनी सनातन जीवन शैली, आयुर्वेदिक विवेक और प्रकृति-सम्मत खानपान को अपनाते हैं, तो न केवल शरीर स्वस्थ होगा, बल्कि मन भी शांत होगा। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन ही भविष्य का रास्ता है। फास्ट फूड की चमक क्षणिक है, लेकिन संस्कृति की थाली में रखा स्वास्थ्य पीढ़ियों तक साथ चलता है। यही संदेश आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है–स्वस्थ शरीर, जागरूक मन और अपनी जड़ों पर गर्व करता समाज।

राष्ट्रीय शिक्षा पालिसी सेमिनार में नीरू सैनी को 'गेस्ट ऑफ ऑनर' व 'बेस्ट प्रिंसिपल' अवार्ड

नीरू सैनी प्रिंसिपल एसवीएम हाई स्कूल, टोहाना व नगर परिषद टोहाना की वाइस चैयरपर्सन है

नीरू सैनी के पति बलदेव सैनी जिला फतेहाबाद भाजपा के वरिष्ठ भाजपा नेता हैं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । नेशनल इंडिपेंडेड स्कूल एलायन्स (निसा) के दिशा-निर्देशों में एमएचडी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन सिरसा द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में शिक्षा जगत की उल्लेखनीय सेवाओं के लिए श्रीमती नीरू सैनी, प्रिंसिपल एसवीएम हाई स्कूल एवं नगर परिषद टोहाना की वाइस चेयरपर्सन को गेस्ट ऑफ ऑनर तथा बेस्ट प्रिंसिपल के अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलभूषण शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष निसा तथा डॉ. कुलदीप कौर रहीं। अतिथियों ने एनईपी के उद्देश्यों, नई शिक्षण पद्धतियों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विचार साझा किए। सम्मान प्राप्त करने पर नीरू सैनी ने आयोजकों

का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों और विद्यार्थियों की उपलब्धियों का परिणाम है। कार्यक्रम में पूरे देश से बड़ी संख्या में शिक्षाविद् उपस्थित थे।

आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक: समन्वय से कार्य करने के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । पंचायत समिति सभागार में बुधवार को आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। केंद्रीय प्रभारी अधिकारी अनिता मीणा ने समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के समन्वय पर जोर दिया गया। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने विभागीय पोर्टलों से डेटा फेच करने में आ रही समस्याओं का समाधान करने

की बात कही। मुख्य आयोजना अधिकारी मेघा भट्ट ने पीपीटी के माध्यम से संकेतकों की जानकारी दी। अधिकारियों ने ब्लॉक की आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक सुधारात्मक निर्देश प्रदान किए। बैठक में उपखंड अधिकारी महेंद्र सिंह यादव, तहसीलदार विक्रम सिंह, अर्जुन लाल अधिशासी अधिकारी, विष्णु कुमार गुर्जर, सांख्यिकी अधिकारी बाबूलाल बैरवा, जिला शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद मीणा, उपनिदेशक सुनील मीणा, आशान्वित ब्लॉक फेलो अमन खंडेलवाल सहित जिले व ब्लॉक स्तर के समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्दी के मौसम में अंगीठी से बढ़ रहा खतरों से आमजन रहे सजग

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस की आमजन से सतर्क रहने की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । सर्दी के मौसम में तापमान गिरने के साथ ही अंगीठी एवं कोयले के उपयोग से होने वाले हादसों में प्रदेशभर में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। इस गंभीर विषय को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने आमजन की सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस एडवाइजरी जारी की है।पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन आईपीएस ने कहा कि ठंड से बचाव के लिए बंद कमरों में अंगीठी या कोयला जलाकर सोना अत्यंत खतरनाक है, जो कई बार जानलेवा भी साबित हो सकता है। उन्होंने बताया कि अंगीठी या

कोयले के जलने से कार्बन मोनोऑक्साइड नामक जहरीली गैस निकलती है, जो रंगहीन एवं गंधहीन होती है। सोते समय व्यक्ति को इस गैस की मौजूदगी का अहसास नहीं होता और धीरे-धीरे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम होने लगती है। इसके परिणामस्वरूप व्यक्ति को चक्कर आना, घबराहट, सिर दर्द, उल्टी, बेहोशी तथा गंभीर स्थिति में मृत्यु तक हो सकती है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष सर्दियों के मौसम में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से इस प्रकार के दुखद हादसों की खबरें सामने आती हैं, जिन्हें थोड़ी सी सावधानी और जागरूकता से पूरी तरह रोका जा सकता है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि कभी भी बंद कमरे में अंगीठी जलाकर न सोएं। यदि किसी कारणवश अंगीठी का उपयोग आवश्यक हो, तो कमरे में पर्याप्त वेंटिलेशन की व्यवस्था अवश्य रखें, जैसे दरवाजा या खिड़की थोड़ा खुला रखें। उन्होंने विशेष रूप से चेतावनी दी कि बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों के आसपास अंगीठी का प्रयोग अत्यधिक जोखिम भरा हो सकता है, इसलिए इससे यथासंभव बचना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आजकल उपयोग में लाए जाने वाले गैस हीटर, ब्लोअर एवं रूम हीटर का इस्तेमाल करते समय भी पूरी सतर्कता बरतनी चाहिए। बिजली या गैस से चलने वाले उपकरणों को रातभर चालू छोड़ना भी दुर्घटना का कारण बन सकता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में अंगीठी या हीटर के कारण चक्कर आना, सिर दर्द, उल्टी या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत उसे खुली हवा में ले जाएं और बिना देरी किए नजदीकी अस्पताल या चिकित्सक से संपर्क करें ।

अंत में उन्होंने कहा कि जन सुरक्षा फतेहाबाद पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और नागरिकों की थोड़ी सी सतर्कता बड़ी अनहोनी को टाल सकती है। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि इस पुलिस एडवाइजरी को अपने परिवार, पड़ोसियों एवं परिचितों के साथ अवश्य साझा करें, ताकि सर्दी के मौसम में किसी भी प्रकार की जान-माल की हानि से बचा जा सके।

लोकनायक, राष्ट्र-द्रष्टा और भारतीयता के शिखरपुरुष

ललित गर्ग

भारत के आधुनिक इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो केवल सत्ता या पद से नहीं, बल्कि अपने विचार, चरित्र और आचरण से राष्ट्र की चेतना को आकार देते हैं। भारतीय राजनीति का महानायक, भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता, भारत रत्न, प्रखर कवि, वक्ता और पत्रकार अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे ही लोकनायक थे, जो राजनीति में रहते हुए भी राजनीति से बड़े दिखाई देते थे। उनकी 101वीं जन्म-जयंती केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का क्षण है कि हम किस भारत का स्वप्न देखते हैं और उसे साकार करने में हमारी भूमिका क्या है? अटलजी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को भारत सरकार प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। अटलजी भारतीय राजनीति के दुर्लभ शिखर पुरुष थे, जिनमें विचार की दृढ़ता, व्यवहार की शालीनता और निर्णय की निर्भीकता एक साथ समाहित थी। वे सत्ता के शिखर पर भी विनम्र थे और विपक्ष की पंक्ति में भी गरिमामय। यही कारण है कि उन्हें केवल एक दल का नेता नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का नेता माना गया। वे अजातशत्रु इसलिए नहीं कहे गए कि उनके विरोधी नहीं थे, बल्कि इसलिए कि विरोध के बीच भी वे सम्मान और संवाद का सेतु बनाए रखते थे।

अटल बिहारी वाजपेयी ने राजनीति को केवल सत्ता-प्राप्ति का साधन नहीं माना, बल्कि उसे राष्ट्र-निर्माण की साधना बनाया। जब राजनीति अवसरवाद, कटुता और अविश्वास की गिरफ्त में थी, तब अटलजी ने उसे मूल्यों, मर्यादा और संवैधानिक आस्था से जोड़े रखा। वे सत्ता में रहते हुए भी लोकतंत्र के प्रति उतने ही प्रतिबद्ध थे, जितने विपक्ष में रहते हुए। अटलजी ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, विचारक एवं समाज सुधारक एवं राष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। अटलजी यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये भारत के निमार्ता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं।

तीन बार प्रधानमंत्री रहना उनकी उपलब्धि नहीं, बल्कि उस भरोसे का प्रमाण है जो देश ने उनके चरित्र और दृष्टि पर किया। 1996 में अल्पमत की सरकार से लेकर 1999 में स्थिर गठबंधन सरकार तक की उनकी यात्रा यह दशार्ती है कि लोकतंत्र में संख्या से अधिक नैतिकता और नेतृत्व की विश्वसनीयता का महत्व होता है। संसद में उनका वह ऐतिहासिक वक्तव्य- सरकारें आएँगी-जाएँगी, लेकिन देश और लोकतंत्र रहना चाहिए आज भी भारतीय राजनीति के लिए पाथेय है। अटलजी का सबसे निर्णायक योगदान भारत को रणनीतिक आत्मविश्वास दिलाने में रहा। 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण केवल वैज्ञानिक या सैन्य उपलब्धि नहीं थे, वे भारत के आत्मसम्मान की उद्घोषणा थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। इन परीक्षणों के बाद जब वैश्विक दबाव और प्रतिबंधों का दौर आया, तब अटलजी का नेतृत्व और भी निखरकर सामने आया। उन्होंने न तो आक्रामकता दिखाई, न ही आत्मसमर्पण बल्कि धैर्य, संवाद और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलते हुए देश को आर्थिक और कूटनीतिक रूप से सुदृढ़ किया। यही संतुलन उनके राजनेता होने की सबसे बड़ी पहचान है। अटल बिहारी वाजपेयी को केवल कठोर निर्णयों का नेता मानना अधूरा मूल्यांकन होगा। वे उतने ही बड़े शांति-दूत भी थे। पाकिस्तान के साथ संबंध सुधारने के लिए लाहौर बस यात्रा उनकी दूरदृष्टि का प्रतीक थी, जहाँ साहस, संवेदना और संवाद एक साथ चलते हैं। कारगिल युद्ध के समय भी उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मयार्दाओं का पालन करते हुए देश की सीमाओं की रक्षा की और दुनिया को भारत की जिम्मेदार शक्ति-छवि से परिचित कराया। अटलजी का विश्वास था कि युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए, लेकिन जब राष्ट्र की अस्मिता पर आघात हो, तब निर्णायक कार्रवाई अनिवार्य है। यही सोच उन्हें यथार्थवादी आदर्शवादी बनाती है। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे। वाजपेयीजी बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी प्रभावित थे और उन्होंने कहा था कि अटलजी एक दिन भारत के प्रधानमंत्री जरूर बनेंगे। आज भारतीय जनता पार्टी की मजबूती का जो धरातल बना है, वह उन्हीं की देन है। वे भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक हैं। 1977 में जनता पार्टी सरकार में उन्हें विदेश मंत्री बनाया गया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में उन्होंने हिंदी में भाषण दिया और वे इसे अपने जीवन का सबसे सुखद क्षण बताते थे। वे संसद में बहुत प्रभावशाली वक्ता के रूप में जाने जाते रहे हैं और महत्वपूर्ण मुद्दे पर उनके भाषण खासे गौर से सुने जाते रहे हैं, जो भारत के संसदीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में भारत ने बुनियादी ढाँचे और तकनीक के क्षेत्र में नई छलांग लगाई। स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना, ग्रामीण सड़कों का विस्तार, दूरसंचार क्रांति और निजी क्षेत्र की सहभागिता- ये सब उस नए भारत की नींव थे, जिसकी कल्पना उन्होंने की थी। उन्होंने विकास को केवल आर्थिक आँकड़ों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे आम नागरिक के जीवन से जोड़ा। जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का नारा उनके समन्वित विकास-दर्शन को दशार्ता है, जहाँ सुरक्षा, कृषि और ज्ञान एक-दूसरे के पूरक हैं। यह नारा आज भी भारत की विकास-यात्रा का सूत्रवाक्य बन सकता है। अटल विहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व

प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। पिछले कई दशकों में वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जो विश्व के प्रति उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी की सबसे बड़ी विशिष्टता यह थी कि वे सत्ता में रहते हुए भी संवेदनशील बने रहे। उनके भीतर का कवि कभी मरा नहीं। उनकी कविताएँ केवल साहित्य नहीं, बल्कि राष्ट्र के संघर्ष, आशा और आत्मबल की अभिव्यक्ति हैं। उनकी पंक्तियाँ निराशा में संबल देती हैं और चुनौती में साहस- हार नहीं मानूँगा,रार नहीं ठानूँगा यह केवल कविता नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है, जो व्यक्ति को भी प्रेरित करता है और राष्ट्र को भी। अटलजी का राष्ट्रवाद संकीर्ण नहीं था। वह समावेशी, सांस्कृतिक और मानवीय था। वे भारत की प्राचीन सभ्यता पर गर्व करते थे, लेकिन आधुनिकता से भयभीत नहीं थे। वे परंपरा और परिवर्तन के बीच सेतु थे। उनका हिंदुत्व आक्रामक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास से उपजा हुआ था, जो सबको साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है।

क्रिसमस : विश्व बंधुत्व का संदेश और खुशियों का ग्लोबल कार्निवल

दिलीप कुमार पाठक

क्रिसमस को भारत में आम तौर पर बड़े दिनों की शुरूआत मानते हैं, वहीँ क्रिसमस पूरी दुनिया में ईसा मसीह के जन्म की खुशी में मनाया जाने वाला पर्व है, ये वैश्विक स्तर पर मनाया जाने वाला पर्व है जो विश्व बंधुत्व का संदेश देता है ' यह प्रत्येक वर्ष 25 दिसम्बर को मनाया जाता है और इस दिन लगभग संपूर्ण विश्व में अवकाश रहता है। क्रिसमस शब्द का जन्म क्राईस्टेस माइसे या क्राइस्टस-मास शब्द से हुआ है। ऐसा अनुमान है कि पहला क्रिसमस रोम में 336 ई. में मनाया गया था। यह गॉड के पुत्र जीसस क्राइस्ट के जन्म दिन को याद करने के लिए मनाया जाता है। यह ईसाइयों के सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। अब तो क्रिसमस, भारत में भी खासा लोकप्रिय हो गया है क्योंकि बच्चों को सेंटाक्लॉज खूब पसंद है ' सेंट बेनेडिक्ट उर्फ , सेंटाक्लॉज लाल रंग व सफेद रंग ड्रेस पहने हुए, एक वृद्ध मोटा पौराणिक चरित्र है, जो रेन्डियर पर सवार होता है, तथा समारोहों में, विशेष कर बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वह बच्चों को प्यार करता है तथा उनके लिए चाकलेट, उपहार व अन्य वांछित वस्तुएँ लाता है, जिन्हें वह संभवतः रात के समय उनके जुराबों में रख देता है।

क्रिसमस के दौरान गॉड की प्रशंसा में लोग कैरोल गाते हैं। वे प्यार व भाईचारे का संदेश देते हुए घर-घर जाते हैं। क्रिसमस ट्री अपने वैभव के लिए पूरे विश्व में लोकप्रिय है। लोग अपने घरों को पेड़ों से सजाते हैं तथा हर कोने में मिसलटों को टांगते हैं। चर्च मास के बाद, लोग मित्रवत रूप से एक दूसरे के घर जाते हैं तथा दावत करते हैं और एक दूसरे को शुभकामनाएं व उपहार देते हैं। वे शांति व भाईचारे का संदेश फैलाते हैं। क्रिसमस समारोह अर्धरात्रि के समय के बाद, जिसे समारोह का एक अनिवार्य भाग माना जाता है, शुरू होते हैं। सुंदर रंगीन वस्त्र पहने बच्चे ड्रम्स, झांझ-मंजीरों के आर्केस्ट्रा के साथ चमकीली छडियां लिए हुए सामूहिक नृत्य करते हैं।

वहीँ क्राइस्ट के जन्म के संबंध में नए टेस्टामेंट के अनुसार व्यापक रूप से स्वीकार्य ईसाई पौराणिक कथा है। इस कथा के अनुसार गॉड ने मैरी नामक एक कुंवारी लड़की के पास गैब्रियल नामक देवदूत भेजा। गैब्रियल ने मैरी को बताया कि वह गॉड के पुत्र को जन्म देगी तथा बच्चे का नाम जीसस रखा जाएगा। वह बड़ा होकर राजा बनेगा, तथा उसके राज्य की कोई सीमाएँ नहीं होंगी। देवदूत गैब्रियल, जोसफ के पास भी गया और उसे बताया कि मैरी एक बच्चे को जन्म देगी, और उसे सलाह दी कि वह मैरी की देखभाल करे, जिस रात को जीसस का जन्म हुआ, उस समय लागू नियमों के अनुसार अपने नाम पंजीकृत कराने के लिए मैरी और जोसफ बेथलेहेम जाने के लिए रास्ते में थे। उन्होंने एक अस्तबल में शरण ली, जहाँ मैरी ने आधी रात को जीसस को जन्म दिया तथा उसे एक नाँद में लिटा दिया। इस प्रकार गॉड के पुत्र जीसस का जन्म हुआ, ऐसी कहानियां प्रचलित हैं ' आज जिस तरह मसीह समुदाय के लोग घर में क्रिसमस ट्री सजाते हैं, उसका श्रेय जर्मनी के मार्टिन लूथर को जाता है। ऐसा कहा जाता है कि क्रिसमस की पूर्व संध्या में मार्टिन लूथर यूं ही बाहर घूम रहे थे और आकाश में चमकते सितारों को देख रहे थे। जो फर के वृक्षों की डालियों में से बहुत ही सुंदर दिखाई दे रहे थे। घर आकर उन्होंने यह बात अपने परिवार को बताई और कहा कि इस तारे ने मुझे ईसा मसीह के जन्म को स्मरण कराया। इसके लिए वे एक फर वृक्ष की डाल घर में लेकर आए और उसे मोमबत्तियों से सजाया। ताकि उनका परिवार उनके इस अनुभव को महसूस कर सके। अतः घर के अंदर क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा की शुरूआत मार्टिन लूथर के द्वारा ही मानी जाती है। कहा जाता है कि क्रिसमस और न्यू ईयर के सेलिब्रेशन में सदाबहार वृक्ष का उपयोग पहली बार लत्विया की राजधानी रिगा के टाउन स्क्वेयर में किया गया।

पहले के समय में क्रिसमस ट्री गमले में रखने की जगह घर की सीलिंग से लटकाए जाते थे। फर के अलावा लोग चैरी के वृक्ष को भी क्रिसमस ट्री के रूप में सजाते थे। अगर लोग क्रिसमस ट्री को लेने में सक्षम नहीं होते थे तब वे लकड़ी के पिरामिड को एप्पल और अन्य सजावटों से इस प्रकार सजाते थे कि यह क्रिसमस ट्री की तरह लगे क्योंकि क्रिसमस ट्री का आकार भी पिरामिड के जैसा ही होता है। आज क्रिसमस ट्री के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोकने के लिए बाजारों में कृत्रिम क्रिसमस ट्री भी उपलब्ध हैं। बाजारों में सजे और बिना सजे दोनों प्रकार के क्रिसमस ट्री मौजूद हैं। जिन्हें हम अपनी इच्छा और क्षमता के अनुसार खरीद सकते हैं और क्रिसमस सेलिब्रेशन को शानदार व यादगार बना सकते हैं।

शेखावाटी को यमुना से मिलेगा भरपूर पानी-ऐतिहासिक हवेलियां होंगी संरक्षित, पर्यटन का होगा विस्तार : सीएम

राज्य सरकार 'विरासत के साथ विकास' के लिए प्रतिबद्ध-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

सीकर और झुंझुनूं जिलों को 539 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की दी सौगात

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विरासत के संरक्षण के साथ-साथ विकास के मूल मंत्र पर संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने गत दो वर्षों में प्रदेश में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं और आधारभूत संरचना के विकास और विस्तार को नई गति दी है। शर्मा बुधवार को सीकर के रामगढ़ शेखावाटी में राज्य सरकार के 2 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शेखावाटी के उद्यमियों में समाज सेवा और परोपकारिता की भावना भरी हुई है। इस मिट्टी में जन्म लेने वालों में मातृभूमि की सेवा करने का जुनून भी होता है। यहां के लोग बड़ी संख्या में सेना एवं सशस्त्र बलों में शामिल होकर मां भारती की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां हमारी अद्वितीय धरोहर हैं और इनके संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। झुंझुनूं, सीकर और चूरू की 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए चिन्हित किया गया है, जिन्हें पर्यटन हब के रूप में विकसित कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इनके संरक्षण और विकास के लिए एक कानून भी लाया जाएगा।

फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति से शेखावाटी को होगा फायदा

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि फिल्मों की शूटिंग के लिए शेखावाटी क्षेत्र पसंदीदा स्थान रहा है। राजस्थान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण का केंद्र बनाने के लिए राज्य सरकार ने फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 जारी की है। इस नीति के माध्यम से प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार के साथ ही, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

यमुना जल समझौते की डीपीआर का कार्य शुरु

शर्मा ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराने के लिए यमुना जल समझौते की क्रियान्विति की जा रही है। इसकी डीपीआर तैयार करवाने का कार्य प्रारंभ भी हो चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि शेखावाटी को यमुना का भरपूर पानी मिलेगा और शेखावाटी की यह भूमि हरी-भरी होगी। राम जल सेतु लिंक परियोजना को भी तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है।

गरीब कल्याण के संकल्प को साकार कर रही राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में किसान, युवा, गरीब, एवं महिला के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। गरीब कल्याण के इस संकल्प को हमारी सरकार आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को लखपति दीदी योजना के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है तथा प्रदेश में 19 लाख 45 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 12 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गई हैं। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत दी जाने वाली राशि को 5 हजार से बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया है तथा अब तक लगभग 10 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ पहुंचाया गया है। वहीं, लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत डेढ़ लाख रुपये का भुगतान किया जा रहा है तथा योजना की पहली किस्त से 4 लाख 60 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया गया है। इसी तरह हमारी सरकार पशुपालकों को दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान प्रदान कर रही है तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर नौनिहालों को पौष्टिक आहार के लिए दूध उपलब्ध करवा रही है।

युवाओं के लिए 1 लाख 53 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन

शर्मा ने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए 92 हजार पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं और 1 लाख 53 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन हैं। हमारी सरकार 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरियों के लक्ष्य को पूरा करेगी।उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवा नीति लेकर आ रही है, ताकि युवा रोजगार प्रदाता भी बन सके। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने संकल्प पत्र के 70 प्रतिशत वादों को दो वर्ष में ही पूरा कर दिया है तथा हमने पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने कार्यों का लेखा-जोखा जनता के सामने रखा है।

सीकर में 155 करोड़ व झुंझुनूं में 384 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सीकर जिले के लिए 155 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इनमें भगेगा-नीमकाथाना रेलवे स्टेशनों के मध्य आरओबी और सबलपुरा स्टैंड से भढ़ाढ़र तिराहे तक फोर-लेन सड़क के शिलान्यास आदि किए गए हैं। वहीं विभिन्न सड़कों के चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण सहित कई कार्यों का लोकार्पण भी किया गया है। झुंझुनूं जिले के लिए 384 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। इसमें चिड़ावा में उप जिला चिकित्सालय एवं नवलगढ़ के सौंदर्यीकरण कार्यों सहित अन्य कार्यों के शिलान्यास शामिल हैं। वहीं, आरडीएसएस योजना के तहत 191 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्यों सहित विभिन्न कार्यों का लोकार्पण भी किया गया।इससे पहले मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना के तहत लाभार्थियों को स्कूटी वितरित की। इस अवसर पर सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, विधायक गोरधन, सुभाष मील, हरलाल सहारण, राजेन्द्र भांबू, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहें।

2 साल में 5 साल से ज्यादा काम हुए

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने केवल 2 वर्षों में गत सरकार के 5 वर्षों से ज्यादा काम किया है। हमारी सरकार ने दो साल में प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता में 6 हजार 363 मेगावाट क्षमता की वृद्धि की है जबकि गत सरकार ने 5 साल में सिर्फ 3 हजार 952 मेगावाट क्षमता की ही बढ़ोत्तरी की। उन्होंने कहा कि हमने गौशालाओं को दो साल में 3 हजार 433 करोड़ रुपये की सहायता दी, जबकि गत सरकार पूरे 5 साल में केवल 3 हजार 117 करोड़ रुपये की राशि ही दे सकी। इसी प्रकार, हमारी सरकार ने 2 साल में 15 हजार 684 किमी. सड़कों का निर्माण किया है, जबकि पूर्ववर्ती सरकार 5 साल में केवल 13 हजार 160 किमी. सड़कों का निर्माण कर पाई थी। पूर्ववर्ती सरकार ने 5 साल में 52 हजार हेक्टेयर भूमि को नहरी तंत्र से सिंचाई सुविधा दी जबकि हमने करीब 85 हजार हेक्टेयर को सिंचाई सुविधा प्रदान कर दी है। इसी तरह पूर्ववर्ती सरकार के 5 सालों में 29 हजार फार्म पौंड निर्माण की तुलना में हमारी सरकार 2 साल में ही 35 हजार से अधिक बनवा चुकी है। नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में दो वर्षों के दौरान प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन कार्य हुआ हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में पानी की आवश्यकता को समझते हुए रामजन सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। इससे शेखावाटी के जिलों में यमुना का पानी उपलब्ध हो सकेगा।

सुशासन दिवस पर स्थानीय डीपीआरसी भवन में होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने कहा कि सुशासन दिवस के अवसर पर 25 दिसंबर को सुबह 10 बजे स्थानीय डीपीआरसी सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पंचकूला में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हो रहे राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में किया जाएगा। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती बुधवार को लघु सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में सुशासन दिवस की तैयारियों के लिए अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उपायुक्त ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा मुख्यातिथि होंगी। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में पूर्व विधायक दुड़ाराम विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। टोहाना में उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम में पूर्व विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली व रतिया उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम में सिरसा लोकसभा क्षेत्र की पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल मुख्यातिथि होंगे। उपायुक्त ने इन कार्यक्रमों को गरिमामयी रूप से मनाने के निर्देश देते हुए कहा कि

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। सरकारी कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए यह कार्यक्रम अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के लिए व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके लिए उपायुक्त ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि सांस्कृतिक कार्यक्रम भव्य एवं मर्यादापूर्ण होने चाहिए। बैठक में एडीसी अनुराग ढालिया, एसडीएम राजेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, डीईओ संगीता बिश्नोई, डीएफएससी विनीत जैन, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के उप निदेशक अमित पंवार, एक्सईएन बलिवंद्र नैन, एडीआईओ प्रीति सहित संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार के विरोध में बजरंगदल ने पुतला फूंककर किया विरोध प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । बजरंग दल की ओर से मिंतर चौक पर बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे विभत्स अत्याचार के खिलाफ पुतला जलाकर व बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारे लगाकर पुरजोर विरोध प्रदर्शन किया गया। बांग्लादेश सरकार से मांग की गई कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए तथा साथ ही भारत सरकार से मांग की गई कि इस हेतु अंतरराष्ट्रीय मंच पर आवाज उठाई जाए। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद नवलगढ़ संरक्षक रामकुमार सिंह राठौड़, प्रखण्ड अध्यक्ष राममोहन सेकसरिया, प्रखण्ड उपाध्यक्ष लक्ष्मण स्वामी, प्रखंड मंत्री सुरेश कुमावत, श्रीकांत मुरारका, योगेंद्र मिश्रा, शिवरतन मुरारका, पवन शर्मा,

रतनलाल गुरी, मोहनलाल चुड़ीवाल, फूलचंद सैनी, मेजर डी.पी. शर्मा, अशोक जोशी, अर्जुन लाल सैनी, मनोज पाराशर, अखिलेश शर्मा, नंदकिशोर सोनी, मनोज सोनी, बजरंग दल संयोजक अंशु सैनी, प्रशांत सैनी, ललित कुमावत, विष्णु सैनी, पियूष सांखला सहित अनेक बजरंग दल कार्यकर्ता एवं हिंदू सर्व समाज के लोग मौजूद थे।

गुढ़ा पंचायत में रक्तदान व निःशुल्क चिकित्सा शिविर के पोस्टर का विमोचन

युवाओं से बढ़-चढ़कर भागीदारी का आह्वान, रक्तदान के महत्व पर दिया गया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ागौड़जी।

गुढ़ा पंचायत में आगामी 11 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर के पोस्टर का विमोचन किया गया। यह शिविर गुढ़ा गौड़जी में सर्व समाज के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में तहसीलदार कुलदीप भाटी सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहें।कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को रक्तदान के प्रति जागरूक करना और अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ना रहा। सरपंच रामावतार दायमा ने बताया कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और समाज सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करें।तहसीलदार कुलदीप भाटी ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में संस्कार, सेवा भाव और देश के प्रति समर्पण की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने ग्राम स्तर पर इस तरह के कार्यक्रमों को नियमित

रूप से आयोजित करने पर जोर दिया।भाजपा जिला प्रवक्ता पवन शर्मा ने कहा कि यदि हमारे छोटे से प्रयास से किसी का जीवन बच सकता है तो हमें अवश्य रक्तदान करना चाहिए।

पंचायत समिति सदस्य विकास कलावत ने बताया कि रक्तदान से शरीर कई गंभीर बीमारियों से भी सुरक्षित रहता है। कार्यक्रम के सह संयोजक दिनेश सांखला ने जानकारी दी कि शिविर घूमचक्कर विवेकानंद सर्किल स्थित मोदियों की धर्मशाला में प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श भी दिया जाएगा, ताकि अधिकाधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। सामाजिक कार्यकर्ता राजीव दायमा ने कहा कि रक्तदान से कई जरूरतमंदों के जीवन का दीपक बुझने से बचाया जा सकता है, अतः इसे समर्पण भाव से करना चाहिए। पोस्टर विमोचन के दौरान तहसीलदार कुलदीप भाटी, सरपंच रामावतार दायमा, पंचायत समिति सदस्य विकास कलावत, भाजपा नेता पवन शर्मा सहित धर्मेन्द्र कुमावत, सुनील कुमावत, गौरव दाधीच, किशन गोरसिया, हरीश कुमावत, पवन कुमावत, रोशन, कुलदीप सिंह, अशोक कुमावत, कान्हा कलावत, राजीव दायमा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

राजस्थान प्रगतिशील संस्थान (रजि.)
के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

राजेन्द्र प्रसाद चेतीवाल
संस्थापक
प्रदेश अध्यक्ष (राज.)

संदीप सोलंकी
कार्यकारी
प्रदेश महासचिव

राधेश्याम बसवाला
प्रदेश कोषाध्यक्ष

झुंझुनू में 10 दिवसीय नि:शुल्क क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर संपन्न, आयुर्वेद की वैज्ञानिक शक्ति का मिला जीवंत प्रमाण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनू।

राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं आयुर्वेद विभाग राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में नवरंगराम दयाराम ढूकिया शिक्षण संस्थान एवं अस्पताल, मलसीसर रोड झुंझुनू में आयोजित 10 दिवसीय नि:शुल्क अंतरंग क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का बुधवार को सम्मान समारोह के साथ समापन हुआ। शिविर के अंतिम दिन बड़ी संख्या में लाभार्थी रोगी, उनके परिजन, चिकित्सा विशेषज्ञ एवं आयुर्वेद से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे। समापन समारोह की अध्यक्षता आयुर्वेद विभाग के पूर्व विशेष अधिकारी डॉ मनोहर पारीक ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में आयुष मिशन के निदेशक डॉ दिनेश कुमार शर्मा ने शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर की व्यवस्थाओं, उपचार पद्धति और परिणामों की सराहना करते हुए क्षारसूत्र विधि से उपचार पाने वाले रोगियों से संवाद किया तथा रोग निवारण और उपचार पाने वाले लोगों के अनुभव जानकर उन्होंने सरकार की आयुष एवं आयुर्वेद से जुड़ी नीतियों और योजनाओं की जानकारी भी दी।

शिविर को संबोधित करते हुए उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र स्वामी

'क्षारसूत्र चिकित्सा शिविर की मेजबानी करने वाले डॉ ढूकिया दंपति का सम्मान करते हुए झुंझुनू आयुर्वेद विभाग की यूनियन पदाधिकार

क्षारसूत्र पद्धति भारतीय चिकित्सा की विश्वविख्यात धरोहर

बगड़ दादू पंथ के महामंडलेश्वर अर्जुन दास ने आयुर्वेद औषधियों के गुण, धर्म और लाभों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा भारतीय सनातन वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति की श्रेष्ठ उपलब्धि है। यह विधि गुदा मार्ग की बीमारियों में रामबाण मानी जाती है और इसकी चर्चा आज विश्व स्तर पर होती है। विदेशों से भी रोगी भारत आकर इस पद्धति का लाभ ले रहे हैं।

फास्ट फूड संस्कृति से रोगों की बढ़ोतरी, जड़ी-बूटी आधारित खानपान की जरूरत

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने चिंता जताई कि फास्ट फूड और पैक्ड भोजन की बढ़ती प्रवृत्ति ने अनेक रोगों को न्योता दिया है। पारंपरिक जड़ी-बूटी युक्त खानपान से दूरी और पाचन तंत्र की उपेक्षा स्वास्थ्य गिरावट का बड़ा कारण बन रही है। वक्ताओं ने लोगों से पाचन तंत्र को मजबूत बनाने, प्राकृतिक आयुर्वेदिक खानपान अपनाने और गुदा मार्ग से जुड़ी बीमारियों–भगंदर, फिस्टुला व फिशर–को छुपाने की बजाय समय पर उपचार कराने की अपील की।

श्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करने वाले कार्मिक का सम्मान करते हुए अतिथियों में बगड़ दादू पंथ के महामंडलेश्वर डॉ अर्जुन दास महाराज

ढूकिया हॉस्पिटल के आयुर्वेद नर्सिंग विद्यार्थियों को शिविर में श्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करने के लिए झुंझुनू आयुर्वेद विभाग द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट

व्यवस्थाओं और सेवाओं की सराहना

विशिष्ट अतिथियों में आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ जितेंद्र स्वामी पूर्व उपनिदेशक डॉ रमेश कुमार ढूकिया हॉस्पिटल के निदेशक डॉ संदीप ढूकिया, डॉ सुनीता ढूकिया, डॉ अंजना, डॉ अश्विन कुमार, क्षारसूत्र विशेषज्ञ डॉ सुनील कुमार कानोडिया, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी संघ अध्यक्ष डॉ मदनलाल सैनी, आयुर्वेद नर्सेज संघ जिला अध्यक्ष नरेश कुमार यादव तथा शिविर प्रभारी डॉ महेश मटोलिया शामिल रहे। शिविर में आए रोगियों व उनके परिजनों ने बताया कि उन्हें न केवल वर्षों पुरानी बीमारी से राहत मिली, बल्कि प्राकृतिक वातावरण में व्यवस्थित और संवेदनशील उपचार भी प्राप्त हुआ, जो उनके लिए जीवनदायी अनुभव रहा।

कुशल नेतृत्व में सफल आयोजन

वक्ताओं ने आयुर्वेद विभाग झुंझुनू के उपनिदेशक जितेंद्र स्वामी के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में शिविर ने जिले में आयुर्वेद चिकित्सा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। नई गाइडलाइनों के तहत शिविर के लिए महज औपचारिक अनुदान को बढ़ाकर 10 लाख रुपये से अधिक का सरकारी सहयोग दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। समापन अवसर पर 10 दिवसीय शिविर में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले आयुर्वेद अधिकारी-कर्मचारियों, नर्सिंग स्टूडेंट्स, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का सम्मान किया गया। साथ ही ढूकिया हॉस्पिटल की ओर से आगंतुकों के लिए स्नेह भोज का आयोजन भी किया गया। यह शिविर आयुर्वेद की वैज्ञानिक विश्वसनीयता, मानवीय सेवा और भारतीय चिकित्सा परंपरा की जीवंत मिसाल बनकर सामने आया।

जगदीश प्रसाद बैरवा ने संभाला पदभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ़।

कोटपूतली-बहरोड़ मे सहायक कलक्टर के पद पर जगदीश प्रसाद बैरवा ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। जानकारी के मुताबिक सीकर जिले की श्रीमाधोपुर तहसील मे तहसीलदार के पद पर पदस्थापित रहे बैरवा की पदोन्नति होने के बाद उन्हें कोटपूतली बहरोड़ जिला आंवटित हुआ है। बैरवा ने अब कोटपूतली बहरोड़ मे सहायक कलक्टर के पद पर पदभार ग्रहण कर लिया है।

जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में 'खेलो जीवनी' खेल स्पर्धा का भव्य आगाज़

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

स्थानीय जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार, 24 दिसंबर को चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता 'खेलो जीवनी' का शानदार शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के चेयरपर्सन सांवरमल मील, सचिव भगवती मील और निदेशक रितेश मील के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विशिष्ट अतिथि सांवरमल मील ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद उन्होंने 'जीवनी ध्वज' फहराकर खेल प्रतियोगिता का विधिवत् आरंभ किया। शैक्षणिक कार्यवाहक सुनील वर्मा ने बताया कि इस चार दिवसीय स्पर्धा में विद्यालय के सभी विद्यार्थी पूरे उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। स्कूल की हेड गर्ल प्रतीति कटेवा और हेड बॉय चिनार ने चारों सदनों–वायु, जल, पृथ्वी और अग्नि के कैप्तानों को खेल के नियमों का पालन करने और खेल भावना के साथ खेलने की शपथ दिलाई। निदेशक रितेश मील ने सभी प्रतिभागियों को अनुशासन बनाए रखने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संदेश दिया।

प्रतियोगिता के पहले दिन 100 मीटर दौड़ की हीट्स, सैक रेस, ऊंची कूद और छोटे बच्चों के लिए 50 मीटर रेस व कार्टून रेस आयोजित की गई। शारीरिक शिक्षक अंकित गजराज के मार्गदर्शन में सभी खेल संपन्न करवाए जा रहे हैं। प्रतियोगिता के दौरान 100, 200 व 400 मीटर दौड़, रिले रेस, शॉट पुट, जैवलिन थ्रो, लंबी कूद, वॉलीबॉल के साथ-साथ सब जूनियर बच्चों के लिए ऑक्टोपस और बैलून रेस जैसे रोचक खेल आकर्षण का केंद्र रहेंगे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन मृणाली भारद्वाज ने किया। आयोजन को सफल बनाने में एस.सी. सैनी, पृथ्वी सिंह, मोहित, प्रदीप वर्मा, योगेश वर्मा और हृदेश पूनिया ने अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। सभी सदनों के फाइनल मुकाबले गुरुवार को खेले जाएंगे।

दौसा में 30 स्कूल वाहनो के चालान, 14 सीज: स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर सख्त हुआ परिवहन विभाग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । राज्य सरकार के सड़क सुरक्षा अभियान को जमीन पर मजबूती से उतारते हुए परिवहन विभाग ने दौसा शहर में बड़ी कार्रवाई की। बुधवार को विभागीय उड़नदस्तों ने स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने वाली बाल वाहिनियों की व्यापक जांच की और नियमों की खुली धज्जियाँ उड़ाते पाए गए वाहनों पर तुरंत कड़ी कार्रवाई करते हुए 30 बाल वाहिनियों के चालान काटे, जबकि 14 वाहिनियों को मौके पर ही सीज कर दिया। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी दौसा नितिन कुमार बोहरा ने बताया कि बाल वाहिनियों की जांच में कई गंभीर खामियाँ सामने आईं। कई वाहन बिना परमिट चलते पाए गए, कई में परमिट की शर्तों का सीधा उल्लंघन था, वहीं कई वाहन बिना फिटनेस, बिना कैमरा, बिना पैनिक बटन जैसे अनिवार्य सुरक्षा प्रावधानों के ही बच्चों को ढोते मिले। इसके अलावा जीपों, निजी वैनों और अन्य छोटे वाहनों में अवैध रूप से छात्रों को बैठाकर ले जाने वाली गाड़ियों पर भी कड़ा शिकंजा कसा गया। विभाग की कार्रवाई ने यह साफ कर दिया कि बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। क्षेत्र की जनता का कहना है कि ऐसी सख्त और सतत कार्रवाई पूरे जिले के सभी गाँवों और कस्बों में नियमित रूप से जारी रहनी चाहिए ताकि निजी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को मजबूत किया जा सके और अभिभावकों की चिंता हमेशा के लिए दूर हो सकें। लोगों ने माना कि अगर इसी रफ्तार से अभियान पूरे जिले में फैला तो स्कूली परिवहन व्यवस्था न केवल सुरक्षित होगी बल्कि पूरे जिले में एक अनुशासित और जिम्मेदार यातायात संस्कृति भी विकसित होगी।

बामसेफ द्वारा ईवी रामास्वामी पेरियार की 52 वीं पुण्यतिथि सूरजगढ़ में मनाई गई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

अंधविश्वास और पाखंडवाद के धुर विरोधी ईवी रामासामी पेरियार के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं मोबमत्ती जलाकर उनका 52 वां महापरिनिर्वाण दिवस बामसेफ, भारत मुक्ति मोर्चा तथा अंबेडकर समिति के संयुक्त तत्वावधान में मनाया गया। ईवी रामासामी पेरियार तमिलनाडु के एक महान समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ थे जिन्होंने जाति व्यवस्था व वर्चस्ववाद और धार्मिक पाखंड के खिलाफ आत्म सम्मान आंदोलन चलाया। लैंगिक समानता, तर्कवाद और दलितों के उत्थान के लिए उन्होंने जीवन भर संघर्ष किया जिससे द्रविड़ आंदोलन को नई दिशा मिली और उन्हें पेरियार की उपाधि मिली। तमिलनाडु में सामाजिक न्याय दिवस के रूप में पेरियार जयंती मनाते हैं। पेरियार का जन्म 17 सितंबर 1879 को इरोड मद्रास प्रेसीडेंसी तमिलनाडु में हुआ तथा उनका महापरिनिर्वाण 24 दिसंबर 1973 को बेलेरे में हुआ। पेरियार का प्रारंभिक जीवन और शिक्षा एक समृद्ध व्यापारी परिवार में हुई। उन्होंने पारंपरिक शिक्षा प्राप्त की लेकिन काशी वाराणसी की यात्रा के दौरान उन्हें जातिगत भेदभाव का अनुभव हुआ जिससे वह नास्तिक बन गए और हिंदू धर्म के प्रति उनका दृष्टिकोण बदल गया। 1919 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए और यकम सत्याग्रह केरल में मंदिर प्रवेश आंदोलन में भाग लिया। कांग्रेस से मोह भंग होने पर 1925 में कांग्रेस छोड़ दी क्योंकि उन्हें लगा कि यह केवल अवैज्ञानिक और सत्य से परे की बातें कर देश की जनता को गुमराह कर रहे है जिससे आमजनता में पाखंड, रूढ़िवाद और अंधविश्वास बढ़ रहा है और यह राजनीतिक वर्ग केवल खुद के हितों की पूर्ति कर रहा है। यह विचार शिक्षाविद मोतीलाल डिग्रवाल ने रखे। राधेश्याम चिरानिया, सुरेंद्र मेहरा, छोटेलाल गजरा, गोपीराम सोकरिया, महावीर प्रसाद बाकोलिया, रतनलाल चेतीवाल, ओमप्रकाश सेवदा सहित कई लोगों ने पेरियार के महापरिनिर्वाण दिवस कार्यक्रम में भाग लिया।

36वीं जिलास्तरीय शिक्षक क्रीड़ा प्रतियोगिता हुई संपन्न, 11 ब्लॉकों के खिलाड़ियों ने राज्य स्तर के लिए हासिल की जगह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । शिक्षा विभाग के शिविरा पंचांगानुसार हर वर्ष आयोजित होने वाली शिक्षकों की क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष पुरुष वर्ग की 36वीं जिलास्तरीय प्रतियोगिता राउप्रावि अंछापुरा में उत्साह, अनुशासन और प्रतिस्पर्धा की मजबूत भावना के साथ पूरी भव्यता में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता संयोजक एवं प्रधानाध्यापक रोहिताश कुमार शर्मा के अनुसार जिला दौसा के सभी 11 ब्लॉकों से आए शिक्षकों ने कबड्डी, बैडमिंटन, फुटबॉल, शतरंज, एथलेटिक्स सहित विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं में दमखम दिखाया और श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय टीमों हेतु किया गया, जो 30 और 31 दिसम्बर को बाँरा में दौसा जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता का शुभारंभ पंचायत समिति सदस्य कपिल सिंह, सरपंच प्रतिनिधि प्रवीण शर्मा उर्फ भोली और सीबीईओ कमलेश कुमार मीना द्वारा ध्वजारोहण से हुआ, जबकि समापन अवसर पर एसीबीईओ रामगोपाल मीना, एसीबीईओ रामफल मीना तथा पीईईओ जगराम मीना की उपस्थिति में ध्वज अवतरण कर कार्यक्रम को औपचारिक विराम दिया गया। पूरे आयोजन के दौरान विद्यालय परिवार की ओर से प्रतिभागियों के भोजन सहित व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से निभाया गया, जिससे ग्रामीण परिवेश में आयोजित यह जिला स्तरीय आयोजन एक अनुशासित, प्रेरक और श्रेष्ठ खेल संस्कृति का उदाहरण बन सका। समापन समारोह में रामसिंह मीना, कालूराम मीना, राजन मीना, नवरंग मीना, अवधेश शर्मा, कल्याण प्रसाद मीना, श्रीभान गुर्जर, पृथ्वीराज, ख्यालबाई, मुकेश चंद, प्रेमसिंह, मुकेशचंद मीना, ज्योति भारद्वाज, सपना कुमारी, सीमा कुमारी, रेनू कुमारी, सीमा मीना सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, खेल प्रतिभागी, एसएमसी सदस्य, ग्रामीण और विद्यार्थी मौजूद रहें।

कंबल वितरण समारोह में वक्ता बोलें मानव मात्र की सेवा करना ही ईश्वरीय सेवा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

यहां बैरागडा भवन में मंगलवार को आयोजित कंबल वितरण समारोह में वक्ता बोलें कि मानव मात्र की सेवा करना ही ईश्वरीय सेवा है। अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन के तत्वाधान में कामाख्या लाल बाजोरिया चैरिटेबल ट्रस्ट शिलोंग के सौजन्य से भगवती प्रसाद बाजोरिया की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों को 415 कंबलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन के चित्र समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर किया। लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं अग्रसेन धाम कोलकाता के अशोक चूड़ीवाला, अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत नगर पालिका अधिशासी अधिकारी नवनीत कुमावत पिंजरापोल गौशाला के मंत्री सुशील जाजोदिया, ट्रस्ट प्रतिनिधि गोविंद जाजोदिया, अग्रवाल समाज के कोषाध्यक्ष मनोज जालान, उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, सुरेश बजाज, समाजसेवी राजकुमार खीरवाल ने जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरित किए। कंबल वितरण कार्यक्रम में अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश जाजोदिया कमल तोदी जिला मंत्री अंकित बजाज प्रहलाद अग्रवाल संजीव खादूवाला ऋषि जाजोदिया ने अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामनिवास शर्मा द्वारकाप्रसाद खींची सहित गणमान्यजन उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री संदीप बजाज ने किया।

अभिभावक की भूमिका निभा रहें शिक्षक- वेद प्रकाश रांगेय

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पचेरी कलां में 137 छात्राओं को स्वेटर वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पचेरी कलां में बुधवार को स्थानीय शिक्षकों ने एक अनुकरणीय पहल करते हुए विद्यालय में नामांकित समस्त 137 छात्राओं को अपनी निजी आय से हुड्डी/स्वेटर उपलब्ध कराए। इस मानवीय प्रयास ने शिक्षकों की संवेदनशीलता और अभिभावकीय भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वेद प्रकाश रांगेय, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, बुहाना ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के नेक कार्य कर शिक्षक न केवल शिक्षण बल्कि बच्चों के चहुँमुखी विकास के लिए अभिभावक की भूमिका भी निभा रहे हैं। उन्होंने 18 वर्ष पूर्ण कर चुकी छात्राओं को निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज कराने हेतु प्रेरित किया तथा वीर बाल दिवस के अवसर पर त्याग, संघर्ष, सहनशीलता, धैर्य और अनुशासन के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया। सेवानिवृत्त प्राध्यापक रणधीर सिंह ने शिक्षकों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। पूर्व सरपंच ओमप्रकाश बोहरा ने समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे समर्पित शिक्षक सौभाग्य से मिलते हैं। पीईईओ श्रीपाल यादव ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने गुरुजनों को उत्तम परिणाम देकर गौरवान्वित करें।

इस अवसर पर भामाशाह प्रकाशचंद अग्रवाल, शिवकुमार अग्रवाल, डेलीगेट डॉ. हनुमान प्रसाद, सुरेश शर्मा, अमी लाल बोहरा, नरोत्तम शर्मा, धर्मपाल चौरा, प्रधानाचार्य सुमित्रा यादव, अरविंद मान (साक्षरता प्रकोष्ठ प्रभारी, बुहाना) सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहें। राज्य स्तरीय सम्मानित शिक्षक डॉ. हरद्वारी लाल ने बताया कि वरिष्ठ अध्यापिका निशा यादव की प्रेरणा से समस्त स्टाफ ने छात्राओं को स्वेटर देने का निर्णय लिया।प्रधानाचार्य प्रकाशचंद्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए स्टाफ को बधाई दी और वीर बालक जोरावर सिंह व फतेह सिंह के त्याग से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्राध्यापक मुकेश शर्मा एवं पुष्पा चौधरी ने आभार व्यक्त किया, जबकि मंच संचालन महेंद्र सिंह (वरिष्ठ अध्यापक) ने किया।कार्यक्रम में सोनू सैनी, संजय यादव, घनश्याम, मनीष, नरेश, अंकित, संगीता, सरोज, नेहा, कृष्णा, लता, उर्मिला सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहें।

छात्र नेता पंकज तिवारी बने एनएसयूआई जयपुर शहर जिला महासचिव

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रों ने किया साफा एवं माला पहनकर स्वागत मौके पर मौजूद रहें। आंधी कांग्रेस ब्लॉक महासचिव टिंकेश भारद्वाज रवि पंडित रामफूल मीणा रामनगर विशाल छिपा दिलकुश बीरासना पवन शर्मा आंधी मुकेश अर्नालिया नियुक्ति के बाद पंकज तिवाड़ी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष रोहिताश मीणा का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया।

पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण जी ने किया स्वदेशी मेला, पोस्टर का विमोचन हुआ विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव चित्तौड़गढ़ के उद्घाटन समारोह में पधारे पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण जी ने 17 जनवरी से 23 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले स्वदेशी मेला सूरजगढ़ (झुंझुनूं) के पोस्टर का विमोचन किया मेले आयोजन नगर पालिका सूरजगढ़ द्वारा होगा जिसकी चेयरमैन श्री मति पुष्पा सेवाराम गुप्ता है। विभाग संयोजक बालकृष्ण शर्मा ने बताया कि आचार्य बालकृष्ण ने स्वदेशी मेलों को स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेलों के माध्यम से स्वदेशी उत्पादों के प्रचार के साथ-साथ लघु, कुटीर एवं ग्रामोद्योगों को बाजार उपलब्ध होता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होते हैं।

आचार्य बालकृष्ण जी ने पोस्टर विमोचन कहा कि यदि भारत को आर्थिक दृष्टि से सशक्त बनाना है, तो स्वदेशी को अपनाना अनिवार्य है। उन्होंने कृषि आधारित उद्योगों, लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने तथा स्थानीय उत्पादों के माध्यम से स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उन्होंने आगामी दिनों में राजस्थान में सूरजगढ़(झुंझुनूं) एवं श्री खाटू श्याम जी में आयोजित होने वाले स्वदेशी मेलों के लिए आयोजकों को अपना आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर कार्यक्रम में सांसद सी. पी. जोशी, सहकारिता मंत्री गौतम दक, स्वदेशी स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक लोकेंद्र सिंह, भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ राजस्थान श्री कुमार लखोटिया, चित्तौड़ विभाग संयोजक प्रहलाद शर्मा उपस्थित रहे उपस्थित रहें।

नगर पालिका सिंघाना में शहरी समस्या समाधान शिविर आयोजित

दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल वितरण, गोद भराई कार्यक्रम भी संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.,सिंघाना।

राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार नगर पालिका सिंघाना में बुधवार को शहरी समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य आकर्षण दिव्यांग सहायता उपकरण वितरण कार्यक्रम रहा, जिसके अंतर्गत क्षेत्र के दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल वितरित की गईं।ट्राई साइकिल एवं अन्य उपकरण प्राप्त कर वृद्ध और दिव्यांग लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। लाभार्थियों ने बताया कि आर्थिक अभाव के कारण वे व्हीलचेयर या ट्राई साइकिल नहीं खरीद पा रहे थे, लेकिन इस शिविर के माध्यम से उन्हें यह सुविधा अपने घर के पास ही उपलब्ध हो गई। अब वे दैनिक कार्यों को अधिक सहजता से कर सकेंगे। शिविर में गोद भराई कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। शिविर प्रभारी विजय सिंह सैनी (सहायक लेखा अधिकारी) ने दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि इन उपकरणों से दिव्यांगजन न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि समाज की मुख्यधारा से जुड़कर अपनी अलग पहचान भी स्थापित कर सकेंगे। शिविर के दौरान दशरथ सिंह, प्रदीप कुमार उर्फ शेखर, महिला सुपरवाइज़र अनामिका, सामाजिक न्याय विभाग से धर्मपाल, रामावतार, बिजेंद्र, श्याम सुंदर, देवेंद्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें। साथ ही बड़ी संख्या में नागरिकों ने शिविर में पहुंचकर अपनी-अपनी शहरी समस्याएं रखीं, जिनका संबंधित विभागों द्वारा मौके पर ही निस्तारण किया गया। शिविर को लेकर क्षेत्रवासियों ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए इसे आमजन के लिए उपयोगी और जनहितकारी बताया।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद की ओर से आयोजित होने वाली ऐतिहासिक श्री शिवमहापुराण कथा के लिए सजा शंकुतला वाटिका का कथा स्थल

1100 महिलाओं की कलशयात्रा निकलेगी आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद की ओर से आयोजित होने वाली ऐतिहासिक श्री शिवमहापुराण कथा के लिए शंकुतला वाटिका का कथा स्थल सजकर तैयार हो गया है। जहां शिवलिंग व नन्दी रआकर्षण का केंद्र रहेंगे वहीं शेखावाटी अंचल के संत-महात्माओं का संगम होगा। कथा वाचक परम पूज्य, श्रद्धेय, शिव उपासक डॉ स्वामी मुक्तानंद पुरी जी महाराज लक्ष्मणगढ़ पहुंचने पर परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक चुडीवाला के नेतृत्व में स्वागत कर महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर इस मौके पर परिषद संरक्षक राजकुमार पारीक अध्यक्ष विष्णु भूत, सचिव निशांत गोयनका, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष विनीता पुजारी, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनिल बूबना, संदीप बजाज, सचिन झांकल, गोविंद जाजोदिया, अनिल चिराणिया, रामनिवास शर्मा, लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, सहित परिषद की तीनों इकाई के पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे। परिषद सचिव निशांत गोयनका ने बताया कि गुरुवार को अपराह्न 3 बजे श्री रघुनाथ जी के बड़े मंदिर से 1100 महिलाओं की कलश यात्रा निकलेगी जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल शंकुतला वाटिक पहुंचेंगी। 30 दिसंबर तक यहां शंकुतला वाटिका में आयोजित श्री शिवमहापुराण कथा प्रतिदिन दोपहर 01 बजे से शाम 5.30 तक नियमित रूप से होगी।

सेवानिवृत के अवसर पर प्राचार्य ने किया अनूठा काम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सरदारशहर।

अपनी सादगी का परिचय देते हुए, सेवा निवृत्ति के अवसर पर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पूलासर की प्रधानाचार्या ने एक प्रेरणादायक और अनुकरणीय कार्य किया। उन्होंने विद्यालय की समस्त बालिकाओं को स्वेटर वितरित किए तथा इसके पश्चात सरदारशहर स्थित निराश्रित बाल निकेतन में बच्चों के लिए गर्म पानी हेतु लकड़ियों की व्यवस्था करवाई, सभी बालक-बालिकाओं को सैंडिल, फल एवं अल्पाहार प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने निकेतन की व्यवस्थापिका से आवश्यक शिक्षण सामग्री व अन्य जरूरतों की जानकारी लेकर उन्हें पूर्ण करने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ व अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। निराश्रित बाल निकेतन की व्यवस्थापिका ने माल्यार्पण कर प्रधानाचार्या कुरील का स्वागत किया एवं आभार व्यक्त किया।

हनुमान मार्केट के पास सड़क हादसा: मिनी ट्रक की टक्कर से श्रमिक का पैर फैक्चर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना थाना क्षेत्र में हनुमान मार्केट के पास बुधवार देर शाम एक सड़क हादसा हो गया। मिनी ट्रक की चपेट में आने से एक कंपनी श्रमिक के पैर में फैक्चर हो गया। घायल श्रमिक को सचखंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। घायल श्रमिक की पहचान राकेश (32) पुत्र यादराम निवासी खेड़ी कांटी, जिला महेंद्रगढ़ (हरियाणा) के रूप में हुई है। राकेश नीमराना स्थित हीरो कंपनी में श्रमिक के रूप में कार्यरत है। हादसे में उसके पैर में फैक्चर आया है, हालांकि उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। राकेश ने बताया कि वह ड्यूटी समाप्त कर अपनी बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान हनुमान मार्केट के पास अचानक मिनी ट्रक की चपेट में आ गया, जिससे वह बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ा और उसके पैर में गंभीर चोट लग गई। दुर्घटना के समय बाइक मिनी ट्रक के नीचे आ गई, लेकिन गनीमत रही कि श्रमिक को कोई जानलेवा चोट नहीं आई। हादसे के बाद मिनी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर नीमराना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त बाइक व मिनी ट्रक को सड़क किनारे कराकर यातायात को सुचारू कराया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

श्री राम प्रसाद बोहरा महाविद्यालय बुहाना में एनएसएस सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

बुधवार को श्री राम प्रसाद बोहरा महाविद्यालय, बुहाना(झुंझुनू) में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. इंदु बाला यादव ने की। उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. मनोज यादव एवं डॉ. जितेंद्र यादव ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के दायित्वों एवं उद्देश्यों से अवगत कराते हुए कहा कि एनएसएस का उद्देश्य सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विद्यार्थियों के जीवन में विकसित करना है। उन्होंने योजना के उद्देश्यों को व्यवहार में अपनाने पर विशेष बल दिया। दोनों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह एवं श्री अशोक यादव ने स्वयंसेवकों को एनएसएस के आदर्शों को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान किया तथा स्वच्छता अपनाने व समाज को स्वच्छता का संदेश देने का संकल्प लिया।इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों डॉ. अनिल, सतीश आचार्य, सुजीत, महेंद्र, अरविंद, प्रदीप, अशोक, वीरेंद्र, संजय, अकरम, सुमित्रा, नचिता, सुमन, पुष्पेंद्र, शैलेश सहित अन्य शिक्षकों का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन एनएसएस के उद्देश्यों के अनुरूप सेवा, समर्पण और सामाजिक चेतना के संदेश के साथ हुआ।

जयपुर में रोहित शर्मा की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, शतक लगाया:18 चौके और 9 छक्कों की मदद से 155 रन बनाए, मुंबई की बड़ी जीत

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में विजय हजारे ट्रॉफी का आज पहला मैच खेला गया। मुंबई की टीम ने सिक्किम को हराकर मैच जीत लिया है। मुंबई की तरफ से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए रोहित शर्मा ने 155 रन बनाएं। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज और मुंबई के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को देखने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी सवाई मानसिंह स्टेडियम पहुंचे हैं। जैसे ही रोहित शर्मा बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे, दर्शकों ने जोरदार तालियों और नारों के साथ उनका स्वागत किया। इससे पहले सिक्किम की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। निर्धारित ओवरों में मुंबई के सामने 237 रनों का लक्ष्य रखा था। स्कोर चेंस करने उतरी मुंबई टीम के खिलाड़ी रोहित शर्मा की शानदार पारी की बदौलत मैच जीत लिया।

पुण्यतिथि पर परिवारजनों ने किया गौ सवामणि का आयोजन

स्वर्गीय कृष्णा देवी मावर की प्रथम पुण्यतिथि पर गोसेवा कर दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

खेतड़ी कस्बे के वार्ड संख्या 14 निवासी स्वर्गीय कृष्णा देवी मावर की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार को उनके परिवारजनों द्वारा श्री रघुनाथ नाथ गोशाला, खेतड़ी में गौ सवामणि का आयोजन किया गया।इस धार्मिक एवं पुण्य कार्य के माध्यम से परिवार ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्व. कृष्णा देवी के सुपुत्र डॉ. अनिल मावर ने कहा कि अपनों की स्मृति में इस प्रकार के कार्य करने से मन को शांति मिलती है। बेसहारा और बेजुबान पशुओं की सेवा करने से आत्मिक संतोष प्राप्त होता है तथा पुण्य आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम से पूर्व मंगलवार रात्रि को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, वहीं बुधवार सुबह विधि-विधान से हवन संपन्न हुआ। इसके पश्चात गोशाला में गौ सवामणि कर गौमाता की सेवा की गई। इस मौके पर परिवार के सदस्य सुनील मावर, डॉ. अनिल मावर, डॉ. नवीन मावर, वंदना मावर, सीमा, ओजस्वी, यशस्वी, धर्मिष्ठा सहित अजीत मान्दी, मुकेश सीहोड, दीपक सोनी, पिंटू एवं अन्य परिजन एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। परिवारजनों द्वारा किए गए इस सेवा कार्य की उपस्थित लोगों ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

पिलानी में अंबेडकर समता संस्था ने जरूरतमंद बच्चों को बांटे स्वेटर व जूते

कड़ाके की ठंड में रायला व ढंढार के राजकीय विद्यालयों के बच्चों को मिली राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज़ पिलानी।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रेरणा से समाज के दलित, शोषित एवं वंचित वर्ग की सेवा को समर्पित डॉ. भीमराव अंबेडकर समता संस्था, पिलानी की ओर से कड़ाके की ठंड को देखते हुए मंगलवार 23 दिसंबर 2025 को जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को स्वेटर एवं जूते वितरित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 2.15 बजे राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, रायला में हुई, जहां बच्चों को स्वेटर वितरित किए गए। इसके पश्चात दोपहर 3.15 बजे राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, ढंढार में विद्यार्थियों को स्वेटर व जूते भेंट किए गए। ढंढार विद्यालय में आयोजित वितरण कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका सुशीला, विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था की ओर से हरि सिंह सांखला, ओमप्रकाश सुनिया, ईश्वर सिंह, रामावतार, मोतीलाल, अरविंद बाडेटिया, मांगेलाल काला, भंवर लाल रावत, बाबुलाल नायक, बाबुलाल पंवार, सज्जन मेघवाल, बिरदीचंद, हेमलता बड़ेटिया, विद्याधर नारनोलिया, रणधीर गोठवाल, पाला राम सहित संस्था के सदस्य मौजूद रहें।

इससे पूर्व रायला गांव में प्रधानाध्यापिका अर्चना जोशी के नेतृत्व में विद्यालय स्टाफ ने स्वेटर वितरण कार्यक्रम में सहयोग किया और भामाशाह संस्था डॉ. भीमराव अंबेडकर समता संस्था, पिलानी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर हरि सिंह सांखला, ओमप्रकाश सुनिया, ईश्वर सिंह, रामावतार, मोतीलाल, अरविंद बाडेटिया, मांगेलाल काला, भंवर लाल रावत, बाबुलाल नायक, बाबुलाल पंवार, सज्जन मेघवाल, बिरदीचंद, हेमलता बड़ेटिया, विद्याधर नारनोलिया, रणधीर गोठवाल, महिपाल सहित संस्था के सदस्य उपस्थित रहे। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को ठंड से बचाव हेतु वस्त्र उपलब्ध कराना मानव सेवा का कार्य है और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है.

क्रिसमस पर्व की खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है क्रिसमस

कहते हैं कि यीशु का जन्म 25 दिसंबर 6 ईसा पूर्व हुआ था। इसीलिए हर वर्ष 25 दिसंबर को जीसस क्राइस्ट के जन्म दिवस को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। आओ जानते हैं इस त्योहार की 15 खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है यह फेस्टिवल।

- **गोशाला** : क्रिसमस के दिन चर्च में ईसा के जन्म की झांकी बनाई जाती है जिसमें गौशाला बनाकर उसमें बालक येशु को मदर मैरी के साथ दर्शाया जाता है।
- **क्रिसमस ट्री** : सदाबहार क्रिसमस वृक्ष डगलस, बालसम या फर का पौधा होता है जिस पर सजावट की जाती है। क्रिसमस ट्री को रिबन, गिफ्ट, घंटी और लाइट्स लगाकर सजाया जाता है।
- **सैंटा क्लॉज** : मान्यता अनुसार सैंटा क्रिसमस के दिन स्वर्ग से आकर बच्चों के लिए टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटकर वापस स्वर्ग में चले जाते हैं। सैंटा क्लॉज चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर में जन्मे थे। उनका नाम निकोलस था। अब लोग उन्हीं के भेष में बच्चों को गिफ्ट देते हैं।
- **गिफ्ट देना** : परंपरा से अब सिर्फ सांता ही उपहार नहीं देते हैं बल्कि क्रिसमय पर लोग एक दूसरे को उपहार देते हैं। कई लोग सैंटा का भेष धारण करके बच्चों को टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटते हैं।
- **जिंगल बेल** : गिरजाघरों में पारंपरिक तरीके से ईसा मसीह के लिए गाए जा रहे भक्ति गीत के अलावा 'जिंगल बेल्स', 'ओह होली नाइट' और 'सैंटा क्लॉज इज कमिंग टु टाउन' सरीखे गानों से भी माहौल खुशनुमा हो जाता है।
- **क्रिसमस कार्ड** : कहते हैं कि सर्वप्रथम क्रिसमस कार्ड विलियम एंगले द्वारा सन? 1842 में अपने दोस्तों को भेजा था। बाद में यह कार्ड महारानी विक्टोरिया को दिखाया गया। इससे खुश होकर उन्होंने अपने चित्रकार डोबसन को बुलाकर शाही क्रिसमस कार्ड बनवाने के लिए कहा और तब से क्रिसमस कार्ड की शुरुआत हो गई।
- **स्वादिष्ट पकवान** : कई पश्चिम देशों में स्मोक्ड टर्की, फ्रुअ केक, विगिल्ला, जेली पुडिंग, टुररॉन आदि को बनाना पसंद किया जाता है। भारत में भी कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं। क्रिसमस पर हर देश में अलग परम्परागत भोजन भी बनता है। कुछ लोग दूध और कुकीज के रुप में सैंटा के लिये भोजन रखते हैं।
- **क्रिसमय पुडिंग** : पुडिंग बनाने की परंपरा 1970 में प्रारंभ हुई। यह आलू बुखारे से दलिया जैसा व्यंजन बनाया जाता है। बाद में मांस, शराब और रोटी मिलाकर पुडिंग बनाने की परंपरा प्रारंभ हुई।
- **रिंगिंग बेल्स** : क्रिसमस के दिन घंटी को बजाने का भी रिवाज है जिसे रिंगिंग बेल कते हैं। यह बेल सदियों में सूर्य के लिए भी बजाई जाती है और खुशियों के लिए भी। मान्यता है कि घर को घंटियों से सजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।
- **प्रार्थना** : इस दिन चर्च में विशेष तौर पर सामूहिक प्रार्थना भी की जाती है। इस दिन लोग चर्च जाते हैं और क्रिसमस कैरोल (धार्मिक गीत) गाते हैं।
- **मोजे लटकाना** : संत निकोलस के काल में बच्चे मौजे लटका देते थे ताकि सैंटा उसमें टॉफियां या तोहफे रख सके। हलांकि आज भी कई जगहों पर यह किया जाता है ताकि सैंटा क्लॉज आ सकें और उनमें अपने उपहार डाल सकें।
- **नए वस्त्र** : इस दिन लाल और हरे रंग का अत्यधिक उपयोग होता है क्योंकि लाल रंग जामुन का होता है और यह ईसा मसीह के खून का प्रतीक भी है। इसमें हरा रंग सदाबहार परंपरा का प्रतीक है।
- **पिकनिक** : क्रिसमय की 10 दिन की छुट्टियों के दौरान लोग या तो अपने पैत्रक घर, नाना नानी या दादा दादी के घर जाकर क्रिसमय मनाते हैं। कुछ लोग समुद्र के तट पर जाकर क्रिसमस का आनंद लेते हैं।
- **मोमबत्तियां** : क्रिसमय पर गिरजाघरों में जाकर लोग ईसा मसीह और मदर मैरी की मूर्ति के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं। मान्यता है कि अलग-अलग रंगों की मोमबत्तियां जलाने से जीवन में खुशियां और सफलता आती हैं।
- **केक** : ईसा मसीह के जन्मदिन पर खुशियां बांटने के लिए केक खाया जाता है और लोगों को बांटा जाता है।

अनेक बाधाओं से जूझने के बाद मिली क्रिसमस को मान्यता

सामान्यत: 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस माना जाता है और उसी रूप में क्रिसमस का आयोजन होता है परंतु प्रारंभ में स्वयं धर्माधिकारी भी इस रूप में इस दिन को मान्यता देने के लिए तैयार नहीं थे। यह वास्तव में रोमन जाति के एक त्योहार का दिन था, जिसमें सूर्यदेवता की आराधना की जाती थी। यह माना जाता था कि इसी दिन सूर्य का जन्म हुआ। उन दिनों सूर्य उपासना रोमन सम्राटों का राजकीय धर्म हुआ करता था। बाद में जब ईसाई धर्म का प्रचार हुआ तो कुछ लोग ईसा को सूर्य का अवतार मानकर इसी दिन उनका भी पूजन करने लगे मगर इसे उन दिनों मान्यता नहीं मिल पाई। प्रारंभ में तो ईसाइयों में इस प्रकार के किसी पर्व का सार्वजनिक आयोजन होता ही नहीं था। चौथी शताब्दी में उपासना पद्धति पर चर्चा शुरू हुई और पुरानी लिखित सामग्री के आधार पर उसे तैयार किया गया। 360 ईस्वी के आसपास रोम के एक चर्च में ईसा मसीह के जन्मदिवस पर प्रथम समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्वयं पोप ने भी भाग लिया मगर इसके बाद भी समारोह की तारीख के बारे में मतभेद बने रहे। यहूदी धर्मावलंबी गड़रियों में प्राचीनकाल से ही 8 दिवसीय बसंतकालीन उत्सव मनाने की परंपरा थी। ईसाई धर्म के प्रचार के बाद इस उत्सव में गड़रिए अपने जानवरों के पहले बच्चे की ईसा के नाम पर बलि देने लगे और उन्हीं के नाम पर भोज का आयोजन करने लगे मगर यह समारोह केवल गड़रियों तक सीमित था। उन दिनों कुछ अन्य समारोह भी आयोजित किए जाते थे, जिनकी अवधि 30 नवंबर से 2 फरवरी के बीच में होती थी। जैसे नोर्समेन जाति का यूल पर्व और रोमन लोगों का सेटरनोलिया पर्व, जिसमें नौकरों को मालिक के रूप में आचरण करने की पूरी छूट होती थी। इन उत्सवों का ईसाई धर्म से उस समय तक कोई संबंध नहीं था।

तीसरी शताब्दी में ईसा मसीह के जन्मदिन का समारोह करने पर गंभीरता से विचार किया जाने लगा मगर अधिकांश धर्माधिकारियों ने उस समय उस चर्चा में भाग लेने से ही मना कर दिया। फिर भी ईसाई धर्मावलंबियों में विचार-विमर्श हुआ और यह तय किया गया कि बसंत ऋतु का ही कोई दिन इस समारोह के लिए तय किया जाए।

तद्नुसार इसके लिए पहले 28 मार्च और फिर 19 अप्रैल के दिन निर्धारित किए गए। बाद में इसे भी बदलकर 20 मई कर दिया गया। इस संदर्भ में 8 और 18 नवंबर की तारीखों के भी प्रस्ताव आए। लंबी बहस और विचार-विमर्श के बाद चौथी शताब्दी में रोमन चर्च तथा सरकार ने संयुक्त रूप से 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस घोषित कर दिया। इसके बावजूद इसे प्रचलन में आने में लंबा समय लगा। इससे पूर्व मनाए जाने वाले अन्य जातियों के उत्सव इनके साथ घुले-मिले रहे और बाद में भी उनके कुछ अंश क्रिसमस के पर्व में स्थायी रूप से जुड़ गए। ईसा की जन्मभूमि यरुशलम में इस तारीख को पांचवीं शताब्दी के मध्य में स्वीकार किया गया। इसके बाद भी क्रिसमस दिवस की यात्रा सहज नहीं रही। विरोध और अंतर्विरोध चलते रहे। 13वीं शताब्दी में जब प्रोटस्टेंट आंदोलन शुरू हुआ तो इस पर्व पर पुन: आलोचनात्मक दृष्टि डाली गई और यह महसूस किया गया कि उस पर पुराने पैगन धर्म का काफी प्रभाव शेष है। इसलिए क्रिसमस केरोल जैसे भक्ति गीतों के गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और 25 दिसंबर 1644 को इंग्लैंड में एक नया कानून बना, जिसके अंतर्गत 25 दिसंबर को उपवास दिवस घोषित कर दिया गया। क्रिसमस विरोधी यह आंदोलन अन्य देशों में भी फैला। अमेरिका में भी इसका प्रभाव हुआ। बोस्टन में तो 1690 में क्रिसमस के त्योहार को प्रतिबंधित ही कर दिया गया। 1836 में अमेरिका में क्रिसमस को कानूनी मान्यता मिली और 25 दिसंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। इससे विश्व के अन्य देशों में भी इस पर्व को बल मिला।

योरप के विभिन्न भागों में हंसी-खुशी के विभिन्न अवसरों पर वृक्षों को सजाने की प्राचीन परंपरा थी। जर्मनी में 24 दिसंबर को एक पर्व मनाया जाता था और उसी दिन एक रहस्यात्मक नाटक भी खेला जाता था- 'अदन का वृक्ष'। संभव है इन परंपराओं ने क्रिसमस वृक्ष की विचारधारा को जन्म दिया हो। इस विचारधारा के साथ बाद में अनेक दंतकथाएं भी जुड़ गईं। 1821 में इंग्लैंड की महारानी ने एक 'क्रिसमस वृक्ष' बनवाकर बच्चों के साथ समारोह का आनंद उठाया था। उन्होंने ही इस वृक्ष में एक देव प्रतिमा रखने की परंपरा को जन्म दिया। बधाई के लिए पहला क्रिसमस कार्ड लंदन में 1844 में तैयार हुआ और उसके बाद क्रिसमस कार्ड देने की प्रथा 1870 तक संपूर्ण विश्व में फैल गई। जहां तक सान्ता क्लॉज का संबंध है, इसकी परंपरा क्रिसमस के साथ काफी बाद में जुड़ी। मध्ययुग में संत निकोलस (जन्म 340 ईस्वी) का जन्म दिवस 6 दिसंबर को मनाया जाता था और यह मान्यता थी कि इस रात्रि को संत निकोलस बच्चों के लिए तरह-तरह के उपहार लेकर आते हैं। यही संत निकोलस अमेरिकी बच्चों के लिए 'सान्ता क्लॉज' बन गए और वहां से यह नाम संपूर्ण विश्व में लोकप्रिय हो गया। आज विश्व के लगभग 100 देशों में क्रिसमस का त्योहार बड़े उल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाता है। अनेक देशों में इस दिन राजकीय अवकाश घोषित किया जाता है तथा सभी ईसाईजन बड़े आमोद-प्रमोद और तरह-तरह के पकवानों के साथ उत्सव का आयोजन करते हैं! इस मंजिल तक पहुंचने में इस पर्व को लंबा समय लगा है और उसे अनेक बाधाओं से जूझना पड़ा है। पिछली लगभग डेढ़ शताब्दी से ही क्रिसमस का पर्व अपने वर्तमान रूप में निर्विघ्न आयोजित होने लगा है ।बदलते समय के साथ दिन-प्रतिदिन इसका चलन और ज्यादा बढ़ गया है।

क्रिसमस की ये हैं सदाबहार पवित्र चीजें

होली (शूलपर्णी), मिसलटो (वांदा), लबलब (आइव) यह कुछ सदाबहार चीजें हैं, जिन्हें पवित्र माना जाता है। इन सभी का अपना एक अलग अर्थ है।

होली माला - परंपरागत रूप से होली माला घरों तथा गिरजाघरों में लटकाई जाती है। इसे सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। भारत में इन होली मालाओं में मोमबतियां लगाई जाती हैं।

मिसलटो - आम तौर पर यह बेर के आकार की सफेद रचनाएं होती हैं जो सेबफल के वृक्षों की शाखाओं पर पाई जाती हैं। इसका सर्वाधिक प्रचलित और लोकप्रिय अर्थ यह है कि इसके नीचे खड़ा रहने वाला किसी का भी चुंबन ले सकता है।

परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि मिसलटो के नीचे मिलने वाले दो मित्रों पर भाग्य हमेशा मुस्कुराता रहता है और यदि दो दुश्मन इसके नीचे मिल जाएं तो दुश्मनी दोस्ती में बदल जाती है यानि कि यह मित्रता और प्रेम का प्रतीक है।

आइव - यह मित्रता का प्रतीक है। ऐसा प्रेम जो स्थायी तथा अटूट होता है।

संत निकोलस (सांता क्लॉज) - सांता क्लाज शब्द की उत्पत्ति डच सिंटर क्लाज से हुई है। यह संत निकोलस का लोकप्रिय नाम है। दिलचस्प बात तो यह है कि संत निकोलस की कहानी का येसु के जन्मोत्सव से कोई लेना-देना नहीं है। निकोलस पर्व 6 दिसंबर को मनाया जाता है तथा इस दिन परंपरानुसार बच्चों को फलों तथा मिठाइयों के तोहफे दिए जाते हैं।

ऐसी धारणा है कि संत निकोलस एक ईसाई पादरी थे जो एशिया माइनर में कोई डेढ़ हजार साल पहले रहते थे। वे बहुत उदार तथा दयालु थे तथा हमेशा जरूरतमंदों की सहायता करते रहते थे।

बच्चों से उनके संबंधों के बारे में एक किंवदंती प्रचलित है कि एक बार वे ऐसे मकान में ठहरे थे, जहां तीन बच्चों की हत्याएं कर उनके शवों को अचार की बरनियों में छिपा दिया गया था। संत निकोलस ने चमत्कार द्वारा उन बच्चों को जीवित कर दिया। तभी से उन्हें बच्चों का संत कहा जाने लगा। एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरुरतमंद बच्चों को चाकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

क्रिसमस को बड़ा दिन क्यों कहा जाता है?

भारतीय संस्कृति को परंपराओं का संगम कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। सभी त्योहारों की तरह क्रिसमस यानी बड़े दिन का त्यौहार पूरे विश्व की तरह भारत भर में मनाया जाता है, मगर क्या कभी आपने सोंचा है भारत में क्रिसमस को बडे दिन के नाम से क्यों पूकारा जाता है। वैसे तो क्रिसमस को प्रभु ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। भारत में क्रिसमस को बड़ा दिन कहने के पीछे कई अलग अलग मान्यताएं प्रचलित है कहा जाता है ।पहले इसे रोमन उत्सव के रूप में मनाया जाता था इस दिन लोग एक दूसरे को ढेर सारे उपहार देते थे। जब धीरे-धीरे ईसाई सभ्यता पनपने लगी तब भारत में यह दिन मकर संक्रान्ति के रूप में मनाया जाने लगा। इसके अलावा बड़े दिन के पीछे प्रभू ईसा के जन्म से जुड़ी कई कथाएं भी प्रचलित हैं। 25 दिसंबर यीशु मसीह के जन्म की कोई ज्ञात वास्तविक जन्म तिथि नहीं है। एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ईपू. के बीच हुआ था भारत में इस तिथि को एक रोमन पर्व यामकर संक्रांति से संबंध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है जिसकी वजह से इसे बड़े दिन के नाम से मनाया जाने लगा। वैसे तो पूरी दुनिया में इसे इसे 25 दिसंबर को मनाया जाता है मगर जर्मनी में 24 दिसंबर को ही इससे जुड़े समारोह शुरू हो जाते हैं। क्रिसमस के दिन संता क्लॉज का भी अपना अलग महत्व है, कहते हैं इस दिन सांता क्लॉज बच्चों के लिए ढेर सारे खिलौने और चॉकलेट लाते है। सांता क्लॉज को क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है जो केवल क्रिसमस वाले दिन ही आते हैं। क्रिसमस का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि ईसा मसीह के जन्म की कहानी का संता क्लॉज की कहानी के साथ कोई संबंध नहीं है, कहते हैं तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप संत निकोलस के नाम पर सांता क्लॉज का चलन करीब चौथी सदी में शुरू हुआ वे गरीब और बेसहारा बच्चों को तोहफे दिया करते थे। चाहे क्रिसमस कहें या फिर बड़ा दिन कुल मिलाकर इस दिन चारों ओर खुशियां ही खुशियां दिखाई देती है, लोग अपने घरों को सजाते है, गिरजाघरों में प्राथनाएं होती है। अब क्रिसमस को आने में कुछ ही दिन बचें है बाजारों में क्रिसमस गिफ्ट, कार्ड, प्रभु ईशु की चित्राकृतियाँ, सांता क्लॉज की टोपी, सजावटी सामग्री और केक मिलने भी शुरू हो गए है।

क्रिसमस ट्री कैसे बना ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक

क्रिसमस ट्री/वृक्ष- सदाबहार झाड़ियों तथा वृक्षों को ईसा युग से पूर्व भी पवित्र माना जाता रहा है। इसका मूल आधार यह रहा है कि फर वृक्ष की तरह के सदाबहार वृक्ष बर्फीली सर्दियों में भी हरे-भरे रहते हैं। इसी धारणा के आधार पर रोमनवासियों ने सर्दियों के भव्य भगवान सूर्य के सम्मान में मनाए जाने वाले सैटर्नेलिया पर्व में चीड़ के वृक्षों को सजाने की परंपरा आरंभ की थी। क्रिसमस के परिप्रेक्ष्य में सदाबहार फर का प्रतीक ईसाई संत बोनिफेस द्वारा ईजाद किया गया था। जर्मनी में यात्राएं करते हुए वे एक ओक वृक्ष के नीचे विश्राम कर रहे थे, जहां गैर ईसाई ईश्वरों की संतुष्टि के लिए लोगों की बलि दी जाती थी। संत बोनिफेस ने वह वृक्ष काट डाला और उसके स्थान पर फर का वृक्ष लगाया। तभी से अपने धार्मिक संदेशों के लिए संत बोनिफेस फर के प्रतीक का प्रयोग करने लगे थे। इसके बारे में एक जर्मन किंवदंती यह भी है कि जब नवजात शिशु के रूप में येसु का जन्म हुआ वहां चर रहे पशुओं ने उन्हें प्रणाम किया और देखते ही देखते जंगल के सारे वृक्ष सदाबहार हरी पत्तियों से लद गए। बस, तभी से क्रिसमस ट्री को ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक माना जाने लगा।

एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरूरतमंद बच्चों को चॉकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

धुरंधर के गाने शरारत के लिए तमन्ना भाटिया थीं पहली पसंद

फिर आदित्य धर ने क्यों किया रिजेक्ट?

बॉलीवुड में जब भी दमदार डांस नंबर की बात होती है, तो सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का लिया जाता है। स्त्री 2 के 'आज की रात' से लेकर 'घफूर' जैसे गानों ने उन्हें स्पेशल सॉन्ग की क्वीन बना दिया है। ऐसे में जब फिल्म धुरंधर के चर्चित गाने शरारत को लेकर यह खुलासा हुआ कि तमन्ना को इस गाने के लिए रिजेक्ट कर दिया गया था, तो इंडस्ट्री से लेकर फैंस तक सभी हैरान रह गए।

पहली पसंद थीं तमन्ना

फिल्म धुरंधर के कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने हाल ही में फिल्मी ग्यान के साथ एक इंटरव्यू में इस पूरे मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि जब 'शरारत' गाने की प्लानिंग चल रही थी, तब उनके दिमाग में सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का ही आया था। उनके मुताबिक, तमन्ना की स्क्रीन प्रेजेंस और डांसिंग स्टाइल इस तरह के गाने के लिए एकदम परफेक्ट बैठती थी।

फिर क्यों तमन्ना नहीं हुई कास्ट?

विजय गांगुली ने बताया कि तमन्ना का नाम डायरेक्टर आदित्य धर के सामने रखा गया था, लेकिन आदित्य इस फैसले को लेकर पूरी तरह साफ थे। उनका मानना था कि वो फिल्म में ऐसा कोई गाना नहीं चाहते, जो कहानी से हटकर सिर्फ एक स्टार पर फोकस करे। अगर गाने में तमन्ना होतीं, तो दर्शकों का ध्यान कहानी की बजाय सिर्फ उन्हीं पर टिक जाता।

कहानी को रखा स्टारडम से ऊपर

आदित्य धर ने यह तय किया कि 'शरारत' को एक पारंपरिक आइटम सॉन्ग नहीं बनाया जाएगा, बल्कि कहानी का हिस्सा रखा जाएगा। यही वजह रही कि गाने में एक नहीं, बल्कि दो कलाकारों को लिया गया। आखिरकार इस गाने के लिए आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा को चुना गया, ताकि फोकस किसी एक चेहरे पर नहीं, बल्कि सीन और नैरेटिव पर बना रहे।

शादी के सीन से जुड़ा था गाना

कोरियोग्राफर के मुताबिक, शरारत गाना रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के वेडिंग रिसेप्शन सीन का हिस्सा है। उस सीन में सिर्फ डांस ही नहीं, बल्कि कई अहम कहानी मोमेंट्स भी चलते हैं। ऐसे में डायरेक्टर नहीं चाहते थे कि गाने की वजह से फिल्म की रफ्तार या कहानी का असर कमजोर पड़े।

इंटरनेट पर छाया शरारत

दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को काफी ज्यादा पंसद किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर गाने पर अब तक कई रील्स बनाई जा चुकी हैं। शरारत गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा की केमिस्ट्री और एनर्जी को दर्शकों ने खूब सराहा। यही नहीं, इस गाने पर सेलेब्स भी रिएक्ट कर रहे हैं।

अक्षय कुमार होस्ट करेंगे दुनिया का सबसे बड़ा गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून'

'खिलाड़ी कुमार' यानी अक्षय कुमार फिल्मों में लोगों को एंटरटेन करने के बाद अब टीवी पर गेम खिलाने के लिए आ रहे हैं। एक बार फिर अक्षय कुमार बड़े पर्दे के अलावा छोटे पर्दे पर नजर आने वाले हैं। वो एमी अवॉर्ड विनर टीवी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' भारत में लेकर आ रहे हैं। अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे।

सोनी टीवी पर आएगा शो

आठ बार एमी अवॉर्ड जीतने वाला अमेरिका का नंबर वन टेलीविजन गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' अब भारत में सोनी टीवी और सोनी लिव पर प्रसारित होने के लिए तैयार है। अक्षय कुमार शो में बतौर होस्ट शामिल होंगे। सोनी टीवी की ओर से इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया गया, 'दुनिया के सबसे बड़े टेलीविजन गेम शो ने भारत को नमस्ते कहा है।' इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी स्पष्ट कर दिया है कि अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट और कंटेस्टेंट के नाम सामने नहीं आए हैं।

अक्षय कुमार ने जताई खुशी

इस गेम शो से जुड़ने पर अभिनेता अक्षय कुमार ने भी खुशी जाहिर की है। एक्टर ने कहा कि 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' दुनिया भर में लाखों लोगों का पसंदीदा शो रहा है। मैं इसके भारतीय संस्करण को यहां के दर्शकों के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। कई पीढ़ियों से चली आ रही शो की लोकप्रियता और पहेलियां सुलझाने का रोमांच इसे दुनियाभर में लोकप्रिय बना चुका है। मुझे भरोसा है कि भारतीय दर्शक भी इसका भरपूर आनंद लेंगे। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव के जरिए 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' भारतीय दर्शकों को अलग-अलग प्लेटफार्म्स पर शानदार तरीके से जोड़ेगा।

ये अक्षय की टीवी पर वापसी है

अक्षय कुमार इससे पहले 'खतरों के खिलाड़ी' के पहले, दूसरे और चौथे सीजन को भी होस्ट कर चुके हैं। चौथा सीजन साल 2011 में आया था। इसके अलावा वो एक कॉमेडी शो लेकर भी आए थे। हालांकि, ये ज्यादा दिन तक नहीं चला था। हाल ही में अक्षय करण जौहर के साथ 'पिच टू गेट रिच' में भी नजर आए थे। अब अक्षय दुनिया के सबसे पॉपुलर शो को लेकर आ रहे हैं।

राम गोपाल वर्मा से मिली आदित्य धर को फिल्में बनाने की प्रेरणा

फिल्म निर्माता और निर्देशक आदित्य धर की फिल्म धुरंधर अपने नाम की तरह लोगों के दिलों से लेकर बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। हिंदी सिनेमा से जुड़ा हर शख्स फिल्म को आइकॉनिक बता रहा है। अब हिंदी फिल्मों के डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने फिल्म की तारीफ की और उसका जवाब देते हुए आदित्य ने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। आदित्य का कहना है कि वे राम गोपाल वर्मा की वजह से ही फिल्में बनाना सीख पाए हैं। रंगीला और आग जैसी फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने फिल्म धुरंधर की तारीफ में एक के बाद एक ट्वीट किए और फिल्म को हिंदी सिनेमा का क्वांटम लीप कहा। उन्होंने लिखा, धुरंधर एक फिल्म नहीं है, यह इंडियन सिनेमा में एक क्वांटम लीप है। आदित्य धर ने अकेले ही इंडियन सिनेमा का भविष्य पूरी तरह से बदल दिया है, चाहे वह उत्तर हो या दक्षिण... ऐसा इसलिए है क्योंकि धुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है... यह एक क्वांटम लीप है। उन्होंने फिल्म को लेकर और भी बहुत कुछ लिखा। अपनी फिल्म और अपने काम की इतनी तारीफ सुनकर आदित्य धर ने राम गोपाल वर्मा को अपनी प्रेरणा बताया।

अदा शर्मा बनीं 'यूथ फॉर चेंज भारत - से नो टू ड्रग्स' अभियान की चेहरा

अभिनेत्री आदाह शर्मा को यूथ फॉर चेंज भारत – से नो टू ड्रग्स अभियान का चेहरा घोषित किया गया है। यह एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान की शुरुआत इंदौर से हुई, जिसने युवाओं की ऊर्जा और सांस्कृतिक जुड़ाव से प्रेरित एक सशक्त आंदोलन की नींव रखी। अभियान के लिए आदाह शर्मा का चयन एक स्वाभाविक निर्णय माना जा रहा है। वर्षों से उन्होंने विभिन्न फिल्मी शैलियों में काम कर युवा दर्शकों के साथ एक मजबूत रिश्ता बनाया है। द केरल स्टोरी जैसी गंभीर फिल्मों से लेकर 1920 फ्रेंचाइज़ी में उनकी लोकप्रिय भूमिका, सनफ्लावर और कमांडो में उनके अलग अंदाज़ और रीता सान्याल में कॉमेडी तक—आदाह ने अपनी बेहतरीन बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। चाहे तीव्र ड्रामा हो, हॉरर या हल्का-फुल्का मनोरंजन, उनकी परफॉर्मेंस हमेशा दर्शकों के दिल को छू जाती है। अभियान को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए आदाह ने कहा, मुझे इस अभियान का चेहरा चुने जाने पर बहुत खुशी है। हमने इसकी शुरुआत इंदौर, मध्य प्रदेश से की। हम यह संदेश फैलाना चाहते हैं कि असली मज़ा पैकेट या गोलियों में नहीं होता, बल्कि सबसे बेहतरीन 'हाई' नशे से दूर रहकर ज़िंदगी को पूरी तरह महसूस करने में है। ढोल बजाना बिल्कुल अचानक हुआ और मुझे बहुत मज़ा आया। लॉन्च इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें आदाह एक स्थानीय बैंड के साथ ढोल बजाती नजर आ रही हैं। यह पल पूरी तरह सहज, ऊर्जावान और स्थानीय संस्कृति से जुड़ा हुआ था—जो आज के युवाओं को खासतौर पर आकर्षित करता है। यह वीडियो रेड कार्पेट और फिल्मी सेट से अलग, आम लोगों के बीच आदाह की सहज कनेक्ट को खूबसूरती से दर्शाता है। आदाह जो भी करती हैं, वह असली और भरोसेमंद लगता है—कृत्रिम नहीं। यही सच्चापन युवाओं के साथ उनके मजबूत जुड़ाव का कारण है और यही वजह है कि अभियान के आयोजकों ने उन्हें इस पहल का चेहरा बनाया।

29 साल बाद फिल्म में साथ नजर आएंगे अक्षय खन्ना और सनी देओल?

फिल्म धुरंधर में रहमान डकैत के खतरनाक किरदार के लिए अक्षय खन्ना को बहुत तारीफ मिल रही है। इसके बाद उनके करियर में एक नया और रोचक दौर शुरू हो रहा है। वे हमेशा अच्छी भूमिकाएं चुनते हैं और फिल्मों के बीच लंबा गैप लेते हैं, इसलिए लोग उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुक रहते हैं। धुरंधर की सफलता पर अक्षय ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन उनकी अगली फिल्म की चर्चा जोरों पर है, जिसमें वह सनी देओल के साथ नजर आएंगे।

इक्का में साथ नजर आ सकते हैं अक्षय और सनी?

इंडिया टुडे की एक खबर के अनुसार, अक्षय खन्ना लगभग 29 साल बाद सनी देओल के साथ फिर स्क्रीन पर नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी बार 1997 की फिल्म बॉर्डर में साथ काम किया था। हालांकि अभी फिल्ममेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। खबरों के मुताबिक, दोनों ने इक्का नाम की फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है।

फिल्म इक्का के बारे में

इक्का एक एक्शन-क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो सिनेमाघरों में नहीं बल्कि सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें दीया मिर्जा और संजीदा शेख भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल इक्का को लेकर सिर्फ ऑनलाइन चर्चाएं और अफवाहें हैं, कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। फिर भी, अक्षय खन्ना और सनी देओल को एक एक्शन थ्रिलर में साथ देखने की खबर ने फैंस में काफी उत्साह जगा दिया है।

भाबीजी घर पर हैं 2.0 में लौटीं शिल्पा शिंदे

भाबीजी घर पर हैं में नजर आ चुकीं शिल्पा शिंदे एक बार फिर इस शो में लंबे समय बाद अंगूरी भाभी बनकर लौटी हैं। सीरियल भाबीजी घर पर हैं 2.0 के प्रोमो में उनकी झलक भी दिखा दी गई है। बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे ने इस शो में लौटने की वजह भी बताई है।

शिल्पा शिंदे भाबीजी घर पर हैं कमबैक

शिल्पा शिंदे 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में अपने आइकॉनिक किरदार को निभाने के लिए एक फिर से इस शो से जुड़ गई हैं। इस शो में लौटने पर वो बेहद खुश और उत्साहित भी हैं। शिल्पा ने इस शो में वापसी पर बातें की और मेकर्स से अपने पुराने विवाद को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि झगड़े तो परिवारों में ही होते हैं. एक बार जब मैंने हां कह दिया तो मैंने कामों और रिएक्शन के बारे में ज्यादा नहीं सोचा। शिल्पा ने इस शो को लेकर बातचीत की। शिल्पा की वापसी के साथ ही ये शो दर्शकों के दिलों में पुरानी यादों और रोमांच की लहरें दौड़ गई हैं। करीब एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हाल ही में जारी प्रोमो ने शिल्पा को देखकर फैन्स का दिल बाग बाग हो गया है।

आपकी असली अंगूरी भाभी वापस आ गई

10 साल बाद इस शो में अपनी वापसी पर बातें करते हुए शिल्पा शिंदे ने कहा, 10 साल बाद अंगूरी भाभी के रूप में वापसी करना मेरे लिए वाकई एक बहुत बड़ा पल है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं इस किरदार में वापस आऊंगी लेकिन जिंदगी का अपना तरीका होता है आपको वहीं वापस ले आने का जहां आप असल में होते हैं। ऐसा लगता है जैसे किस्मत का अपना ही प्लान था। मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि अंगूरी भाभी ने मुझे कभी छोड़ा हो, यहां तक कि जब मैं स्क्रीन पर उनका किरदार नहीं निभा रही थी तब भी› लोग मुझे न सिर्फ सोशल मीडिया पर, बल्कि असल जिंदगी में भी अंगूरी भाभी कहकर बुलाते रहे हैं। बहुत सारे फैंस, यहां तक कि जिन्हें मैं जानती भी नहीं थी, मुझसे मिलते और पूछते- आप अंगूरी भाभी बनकर कब आओगे? आज मैं उन्हें बताना चाहती हूं, आपकी असली अंगूरी भाभी वापस आ गई हैं।

मुझे घर जैसा महसूस होने लगा

शिल्पा आगे कहती हैं, इस वापसी को और भी खास बनाती है पूरी टीम से मिला प्यार। आसिफ, रोहितश्व, विदिशा और सभी ने मेरा इतने प्यार से स्वागत किया कि मुझे तुरंत घर जैसा महसूस हुआ। प्रोमो और मेरी वापसी की घोषणा पर मिली प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक और भावुक कर देने वाली रही है। इससे मुझे यकीन हो गया है कि अंगूरी भाभी सचमुच दर्शकों की ही हैं।

मैं खुश और बेहद उत्साहित हूं

एक्ट्रेस ने कहा, इस शो के साथ चैनल एक बार फिर हल्के-फुल्के, मन को खुश कर देने वाले कॉमेडी शो लेकर आ रहा है जो दर्शकों को आज की भागदौड़ भरी दुनिया में सुकून, आराम और हंसी का मौका देता है। मैं उनके इस सपने को साकार कर रही हूं। भाभीजी घर पर है 2.0 में वही गर्माहट, मासूमियत और खुशी है, लेकिन एक नए माहौल और नई ऊर्जा के साथ। मैं आभारी, खुश और बेहद उत्साहित हूं कि दर्शक एक बार फिर अंगूरी भाभी का अनुभव कर पाएंगे।

उन्होंने गलत अफवाहें फैलाई थीं, जिन्हें सच मान लिया गया

बता दें कि शिल्पा शिंदे ने जब ये शो छोड़ा था तब उन्होंने प्रड्यूसर पर हैरेसमेंट के आरोप लगाए थे। इतना ही नहीं उन्होंने प्रड्यूसर के खिलाफ स्न्ढ्ढक्रभी दर्ज कराई थी। मेकर्स ने भी शिल्पा पर भी अनप्रोफेशनलिज्म के आरोप लगाए थे। उनसे पूछा गया था कि इतनी कॉन्ट्रॉवर्सी के बाद शो में लौटने पर उनपर सवाल उठ सकते हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, उस समय चैनल की तरफ से थर्ड पार्टी भी शामिल थी और उन्होंने गलत अफवाहें फैलाई थीं, जिन्हें सच मान लिया गया था। कॉन्ट्रैक्ट के जरिए एक शख्स ने मुझे कंट्रोल करने की कोशिश की थी। मुझे कहीं भी ज्यादा काम करने की आजादी नहीं थी । सालों तक कड़ी मेहनत करके करियर बनाने के बाद जब किरदार पर सवाल उठाए जाते हैं तो वो बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है। उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि जब दो लोग किसी चीज का हिस्सा होते हैं और उसमें जब किसी थर्ड पार्टी की एंट्री होती है तो ऐसी चीजें हो जाती हैं।

बीकानेर भाजपा मनाएगी 'वीर बाल दिवस' और 'सुशासन दिवस', कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । भारतीय जनता पार्टी, बीकानेर द्वारा बुधवार को जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में आगामी 'वीर बाल दिवस' (26 दिसंबर) और 'सुशासन दिवस' (25 दिसंबर) के कार्यक्रमों की विस्तृत घोषणा की गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा पदाधिकारियों ने राष्ट्र के प्रति बलिदान और सुशासन के संकल्प को दोहराया। साहिबजादों के बलिदान को समर्पित 'वीर बाल दिवस' जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादों–बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के सर्वोच्च बलिदान को नमन करने के लिए बीकानेर में 26 से 28 दिसंबर तक तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। भव्य प्रदर्शनी जिला भाजपा कार्यालय में साहिबजादों के जीवन चरित्र और उनके महान संघर्ष पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

जन-जागरण अभियानः

भाजपा कार्यकर्ता मंडल और बूथ स्तर पर घर-घर जाकर साहिबजादों की गौरवगाथा को आमजन और बच्चों तक पहुँचाएंगे। वक्ताओं ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को इस गौरवशाली इतिहास से अवश्य परिचित कराएं।

अटल जी की स्मृति में 'सुशासन दिवस'

आज, 25 दिसंबर को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाई जाएगी। भाजपा द्वारा जिला, मंडल और बूथ स्तर पर विभिन्न सेवा कार्यों और विचार गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ताओं ने अटल जी के 'सुशासन के मंत्र' को घर-घर पहुँचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बीकानेर देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया, शहर अध्यक्ष सुमन छाजेड़, महामंत्री दिलीप सिंह राजपुरोहित, श्याम सिंह हाड़ला, राजेंद्र पंवार, पवन स्वामी, मुकेश बन, और सरजीत सिंह सहित कई वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

अमर शहीद चार साहिबज़ादों की शहादत को समर्पित व्याख्यान कार्यक्रम टोहाना बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के चार साहिबज़ादों–बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह की शहादत को समर्पित एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन बार एसोसिएशन टोहाना द्वारा आज दोपहर 1 बजे टोहाना बार रूम में किया गया। इस अवसर पर धमतान साहिब से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक भाई चरणजीत सिंह जी द्वारा व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उपस्थित अधिवक्ताओं एवं गणमान्यजनों को चार साहिबज़ादों के महान बलिदान, उनके गौरवशाली इतिहास तथा उस समय मुग़ल शासकों द्वारा किए गए अत्याचारों से अवगत कराना रहा। अपने उद्बोधन में भाई चरणजीत सिंह जी ने बताया कि किस प्रकार अत्यंत कम आयु में भी चारों साहिबज़ादों ने हँसते-हँसते अपने प्राणों का बलिदान स्वीकार किया, परंतु धर्म त्यागना उन्हें स्वीकार नहीं था। उनका जीवन आज भी मानवता, साहस और धर्मनिष्ठा की अनुपम मिसाल है।इस कार्यक्रम

में बार एसोसिएशन टोहाना की कार्यकारिणी के प्रधान सुरेश गिल समैन व उप प्रधान एडवोकेट अनुराग जैन, सचिव एडवोकेट अंकित ,सह सचिव एडवोकेट अंकित भालोठिया सदस्य, वरिष्ठ अधिवक्ता सतपाल सिंगला, ऋषपाल गिल, कृष्ण गोयल, सुनील भाटिया,नेकी बराड़ ,कुलवंत जांगड़ा, अमर गर्ग, एडवोकेट अमरजीत बींजा, एडवोकेट राजकुमार सैनी बार एसोसिएशन टोहाना की पूर्व सचिव वरिष्ठ एडवोकेट मुकेश मान पातड़,महिला वरिष्ठ अधिवक्ता व हरियाणा गुरु द्वारा प्रबंधक कमेटी की सदस्य अमनप्रीत कौर, एडवोकेट, वरिष्ठ महिला अधिवक्ता सरोज फानर, एडवोकेट अनुपा शर्मा, एडवोकेट करूणा व एडवोकेट मनीषा सहित लगभग संपूर्ण टोहाना बार एसोसिएशन उपस्थित रही। बार एसोसिएशन के संयुक्त सचिव अधिवक्ता अंकित भालोटिया ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने वर्तमान समय में हो रहे अवैध धर्मांतरण पर चिंता व्यक्त करते हुए हमारे महापुरुषों के गौरवशाली इतिहास एवं उनके द्वारा रचित पवित्र ग्रंथों के अध्ययन पर बल दिया।कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ अधिवक्ताओं एवं नारी शक्ति द्वारा भाई चरणजीत सिंह जी को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, सम्मान और ऐतिहासिक चेतना के वातावरण में संपन्न हुआ।

भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट की बैठक आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट की कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को आयोजित की गई। बैठक मे 28 जनवरी 2026 को होने वाले मेघवाल समाज के 20वें सामूहिक विवाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के बारे में चर्चा की गई। रविशेखर मेघवाल ने कार्यकर्ताओं एवं ट्रस्ट सदस्यों को समारोह से जुड़ी व्यवस्थाओं से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि इस बार भी मेघवाल समाज की होनहार छात्राओं को भावना अवार्ड से नवाजा जाएगा। भावना अवार्ड से मेघवाल समाज की कक्षा 10वीं तथा 12वीं की राजस्थान मे टॉपर छात्रा व जिले मे टॉपर छात्रा एवं कनोडिया कॉलेज, जयपुर की टॉपर छात्रा को 51 हजार रुपए की नकद राशि, स्मृति चिन्ह देकर व शॉल ओढाकर सम्मानित किया जायेगा। इसके अलावा कक्षा 10वीं में 80 प्रतिशत, 12वीं में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले मेघवाल समाज के छात्र-छात्राओं को भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रशंसा पत्र एंव स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सामूहिक विवाह व प्रतिभावान सम्मान समारोह हेतु आवेदन करने की अन्तिम 10 जनवरी 2026 रखी गई है। विवाह योग्य लड़के की उम्र 21 वर्ष व लडकी की उम्र 18 वर्ष की होनी चाहिए। इसके लिए वर-वधु का जन्म प्रमाण पत्र, मूलनिवासी, वधु के बैंक खाते की डायरी की प्रति तथा अन्य दस्तावेज आवेदन पत्र के साथ उपलब्ध करवाना आवश्यक होगा। बैठक में मांगीलाल मेघवाल, दुर्गादत्त मेघवाल, पप्पूराम पंवार, विजय कुमार हाटीला, अमित मेघवाल, मोतीलाल परिहार, विक्रम राजपुरोहित, ललित राठौड़, अनिल कुमार धर्ट, पन्नालाल मेघवाल, भवानी शंकर, राजा उपाध्याय, ताराचन्द जनागल, राकेश कण्डारा आदि मौजूद रहें।

मंडावर थाना इलाके में दलित महिला व उसके नाबालिग बेटे से मारपीट व धमकाने का मामला

पुलिस पर रिपोर्ट नहीं लेने के आरोप; एसपी के दखल के बाद दर्ज हुई रिपोर्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । थाना क्षेत्र में एक दलित महिला और उसके नाबालिग बेटे के साथ हुई मारपीट, जातिसूचक अपमान और जान से मारने की धमकियों के गंभीर मामले ने इलाके में हलचल मचा दी है। पीड़ित महिला ने बताया कि नामजद आरोपी फकरू पुत्र नन्नू मेव, निवासी कोट गाँव, पिछले कई महीनों से उनके परिवार को लगातार गंदी गालियाँ देकर डराता-धमकाता आ रहा था। उसके पति द्वारा उसके मकान निर्माण कार्य के दौरान की गई मजदूरी के पूरे पैसे नही देने को लेकर चल रहे विवाद के बाद से आरोपी की धमकियों और अभद्रता का सिलसिला लगातार चला आ रहा था। पीडिता के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने और पति के रोज़मर्रा की मेहनत-मजदूरी से घर चलने के बावजूद पीड़िता ने अब तक चुप्पी साधी रही, पर हालात तब बिगड़ गए जब 24 दिसंबर की सुबह उसका 17 वर्षीय नाबालिग बेटा बांटे पर किये हुये खेत पर सिंचाई हेतु इंजन चलाने जा रहा था। रास्ते में आरोपी ने उसे अपने घर के आगे रोककर बेवजह ही उसे गंदी गालियाँ दीं, जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया और लात-घूँसों व थप्पड़ों से बेरहमी से मारा पीटा। रोते हुए नाबालिग बेटा घर लौटा और घटना पीडीता को बताई। पीडीता इसे लेकर बातचीत करने आरोपी के घर गई तो नामजद आरोपी ने पीडीता के साथ अभद्रता करते हुए उसे गंदी गालियाँ दीं, जातिसूचक अपमान किया, बाल पकड़कर घसीटा, जमीन पर पटककर लात-घूँसों से मारपीट की और कपड़े ऊपर उठाकर उसे बेइज्जत किया। यही नहीं, आरोपी ने पीडीता सहित उसके परिवार को घर से बाहर निकलने पर मारपीट करने सहित जान से मारने की खुलेआम धमकीयां दी। पीड़िता ने घटनाक्रम को लेकर बुधवार को मंडावर थाने जाकर रिपोर्ट दी, लेकिन पुलिस ने उसकी रिपोर्ट दर्ज नही की। मंडावर थाने में रिपोर्ट दर्ज न होने से परेशान पीडीत महिला अपने परिवार सहित सीधे दौसा एसपी कार्यालय पहुँची और पूरी घटना एसपी के समक्ष बताई। इसके बाद एसपी के तत्काल हस्तक्षेप पर मंडावर पुलिस ने मामला दर्ज किया।पीड़िता का कहना है कि एसपी के दखल के बाद रिपोर्ट दर्ज होने के बाद उसे अब न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, लेकिन वह और उसका परिवार अभी भी आरोपी की धमकियों के कारण दहशत में है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

कोटपूतली-बहरोड़ में RBI की DLCMC बैठक व बैंकर्स प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र कोटपूतली-बहरोड़, । भारतीय रिज़र्व बैंक के मार्गदर्शन में आज कोटपूतली - बहरोड़ जिले में जिला स्तरीय मुद्रा प्रबंधन समिति (DLCMC) की बैठक एवं बैंकर्स के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय रिज़र्व बैंक के प्रतिनिधि विपिन कुमार एवं अग्रणी जिला प्रबंधक मोहन लाल मीना के प्रभावी समन्वय से संपन्न हुआ। बैठक एवं प्रशिक्षण शिविर में जिले के सभी बैंकों के अधिकारियों एवं स्टाफ को बेहतर मुद्रा प्रबंधन, ATM एवं BNA में कैश डिलिंग, क्लीन नोट पॉलिसी, तथा नोट एक्सचेंज से संबंधित नियमों एवं विनियमों पर विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आरबीआई प्रतिनिधि विपिन कुमार द्वारा स्पष्ट किया गया कि स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण मुद्रा का प्रचलन न केवल बैंकिंग प्रणाली की मजबूती बल्कि आम जनता के विश्वास से भी सीधे जुड़ा हुआ है। प्रशिक्षण के दौरान बैंकर्स द्वारा छोटे मूल्य वर्ग के नए करेंसी नोट (रू10, रू20, रू50, रू100) की बढ़ती मांग को प्रमुखता से उठाया गया। इस पर विचार व्यक्त किया गया कि छोटे नोटों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि एक ओर क्लीन नोट पॉलिसी को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके और दूसरी ओर कम सप्लाई के कारण भारतीय मुद्रा की साख पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक मोहन लाल मीना ने सुझाव दिया कि कैश रिटेंशन लिमिट के अतिरिक्त प्रत्येक बैंक शाखा में नए करेंसी नोटों के लिए पृथक लिमिट निर्धारित कर उसकी नियमित मॉनिटरिंग अनिवार्य की जाए। उन्होंने कहा कि इससे बैंकर्स को कैश मैनेजमेंट में सुविधा मिलेगी तथा ग्राहकों को भी नए और छोटे मूल्य वर्ग के नोट आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे, जो ग्राहक सेवा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाएगा। बैठक के अंत में सभी प्रतिभागी बैंकर्स ने आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले में सुदृढ़, पारदर्शी और प्रभावी मुद्रा प्रबंधन व्यवस्था को लागू करने हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

द बोहराज ग्लोबल स्कूल महवा में राष्ट्रीय-राज्य स्तरीय खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । द बोहराज ग्लोबल स्कूल महवा में आयोजित पराक्रम स्पोर्ट्स मीट इस वर्ष अभूतपूर्व उत्साह, उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन और शिक्षा-खेल समन्वय के अनोखे संगम के रूप में याद की जाएगी, जहाँ न केवल विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का दमखम दिखाया बल्कि अभिभावकों ने भी खेल मैदान में सक्रिय होकर आयोजन को विशेष ऊँचाई दी। बोर्ड कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित विशेष काउंसलिंग सत्र ने भी कार्यक्रम को सार्थकता और दिशा प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीओ महवा मनोहर लाल मीना और महवा थानाप्रभारी राजेंद्र मीणा रहे, जिनकी उपस्थिति ने विद्यार्थियों और खिलाड़ियों का हौसला कई गुना बढ़ा दिया। समापन समारोह में विद्यालय की ओर से शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान सीबीएसई जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी और सम्मान प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिससे विद्यालय परिवार के साथ पूरे क्षेत्र में गर्व और उत्साह की लहर देखी गई। विद्यालय के राष्ट्रीय स्तर एरोबिक्स प्रतियोगिता में कृतिका मीणा, दीपिका मीणा, मानसी मीणा, मधु सैनी, अर्पिता और दीपिका मीणा ने विशेष उपलब्धि दर्ज की, जबकि 13 खिलाड़ी राज्य स्तर पर बैडमिंटन, खो-खो, कबड्डी, रग्बी फुटबॉल और अन्य

बोर्ड विद्यार्थियों हेतु विशेष काउंसलिंग सत्र और अभिभावक खेल प्रतियोगिताएँ बनी आकर्षण का केंद्र

प्रतियोगिताओं में चयनित हुए जिनमें सुमित पांडे, लवलेश, आदित्य शर्मा, योगिता, विष्णु, नैतिक, मोनिका, मानसी कटारा, साक्षी, हर्षिता, शिव सिंह, यशवर्धन सिंह और हिमांशु मीणा शामिल रहे। इसी क्रम में खिलाड़ियों ने कुल सात मेडल अर्जित किए जिनमें बैडमिंटन में गोल्ड, रग्बी फुटबॉल अंडर-19 में सिल्वर, रग्बी फुटबॉल अंडर-17, कबड्डी और खो-खो में ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं, जिसने विद्यालय का नाम जिले में शीर्ष स्थान पर स्थापित कर दिया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक पहलू रहा अभिभावकों की सहभागिता, जिसमें फादर्स क्रिकेट लीग और मदर्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के विजेताओं को मंच पर सम्मानित किया गया और खेल मैदान में माता-पिता की ऊर्जा और प्रतिस्पर्धी भावना ने इस मीट को सामुदायिक उत्सव का स्वरूप दे दिया। काउंसलिंग सत्र में डॉ. गौरव खन्ना ने विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रभावी रणनीति, आत्मविश्वास निर्माण, मानसिक मजबूती, लक्ष्य निर्धारण और निरंतरता के महत्व पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उनके प्रेरणादायक विचारों ने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं के लिए मानसिक रूप से तैयार करते हुए भविष्य की दिशा को स्पष्ट बनाया।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी मुख्य अतिथियों, विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा, अनुशासन और सर्वांगीण विकास की भावना मजबूत होती है और भविष्य में भी विद्यालय इसी तरह के प्रेरक कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखेगा। इस अवसर पर निदेशक विनय बोहरा, सह-निदेशक विकास बोहरा, प्रधानाचार्य बालाजी राजेश, मंडावर पुनीत, उप-प्रधानाचार्य महवा श्वेता राणा नेगी, एकेडमिक इंचार्ज गिरवर, पीटीआई सुरेंद्र सिंह और मनोज सहित सभी विषय अध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिकाएँ और विद्यालय स्टाफ मौजूद रहें।

खाद्य मंत्री सुमित गोदारा के प्रयासों से राजेरा के किसानों को अब दिन में मिलने लगी बिजली

लूणकरणसर क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक कदम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा के प्रयासों से राजेरा गांव के किसानों को अब दिन में ही बिजली मिलने लगी है। इससे उन्हें राहत मिली है। गोदारा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश में किसानों को सोलर सहित अन्य माध्यमों से दिन में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। लूणकरणसर में भी यह पहल कर दी गई है। इसके लिए राजेरा के 33/11 केवीए के जीएसएस पर 5 एमवीए के दो अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। इनके माध्यम से किसानों को प्रातः 6 से सायं 6 बजे तक विद्युत आपूर्ति प्रारम्भ कर दी गई है। इससे किसानों को खेती संबंधी कार्यों के लिए रात को जागना नहीं पड़ेगा और वे सर्दी, गर्मी अथवा अन्य किसी प्रकार की प्रतिकूल परिस्थितियों में अपने घर में रह सकेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने दिसम्बर 2026 तक किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसकी शुरूआत राजेरा से की गई है। जहां दो ब्लॉक में दिन में विद्युत आपूर्ति की जाने लगी है। उन्होंने बताया कि विधानसभा के अन्य क्षेत्रों में भी चरणबद्ध तरीके से यह व्यवस्था लागू की जाएगी, जिससे किसानों को राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि लूणकरणसर क्षेत्र पूर्णतया कृषि आधारित क्षेत्र है। इसके मद्देनर किसानों की सहूलियत को ध्यान रखते हुए ऐसे नवाचार किए जा रहे हैं। प्रधान राजकुमार कस्वां ने बताया कि खाद्य मंत्री द्वारा मंगलवार को दोनों पावर ट्रांसफार्मर के लोकार्पण के साथ ही किसानों को दिन में विद्युत आपूर्ति की यह व्यवस्था लागू कर दी है। मंत्री गोदारा के यह प्रयास लूणकरणसर क्षेत्र के किसानों के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। अब किसानों को भयंकर ठंड में रात के समय काम नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि गोदारा द्वारा किसानों के हित में अनवरत प्रयास किए आज रहे हैं। इसी दिशा में यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

राष्ट्रीय कला उत्सव 2025 में फतेहाबाद के छात्रों ने रचा इतिहास

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुणे में आयोजित राष्ट्रीय कला उत्सव प्रतियोगिता-2025 में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फतेहाबाद के प्रतिभाशाली छात्रों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पूरे देश में चौथा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि हरियाणा राज्य से पुरस्कार जीतने वाली यह एकमात्र स्कूल टीम रही, जिसने प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। विद्यालय के छात्रों कीर्ति, कृष, आजाद सिंह और राकेश कुमार ने कला, संगीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन कर निर्णायकों और दर्शकों का मन मोह लिया। कठिन प्रतिस्पर्धा के बावजूद टीम ने शीर्ष-4 में स्थान बनाकर यह सिद्ध कर दिया कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से उभरने वाली प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय मंच पर नई इबारत लिख सकती हैं। इस उपलब्धि पर खंड शिक्षा अधिकारी विजय सिंह, विद्यालय के प्राचार्य हरमिंदर सिंह तथा संगीत पीजीटी नेहा शर्मा ने छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी। एनएसएस इन्चार्ज अनिल कुमार व नीति ने बताया कि स्वयंसेवकों ने पोस्टर मेकिंग द्वारा सामाजिक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पोस्टर के माध्यम से संदेश दिया। इस कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने 'स्वच्छता', पर्यावरण संरक्षण और 'नशा मुक्ति' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी कला के माध्यम से प्रभावशाली संदेश दिए। प्रिंसीपल रणधीर पूनिया ने छात्रों की रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सराहा। पूनिया ने कहा भविष्य में बच्चे देश और समाज के विकास में सहयोग करें क्योंकि युवा पीढ़ी की जैसी सोच होगी वैसे ही हमारा देश आगे बढ़ सकेगा। इस अवसर पर प्रिंसिपल रणधीर पूनियां, ए0एन0 बहुगुणा, संदीप पूनिया, सतपाल नैन, तरसेम सिंह, अमन पूनिया, धर्मवीर सिंह, पुष्पा देवी, नीति मेहता, सीमा सिगँला, विजय, मनजीत, अनिल, अशोक, रमन, सिमरन, जयभगवान, सुखदीप कौर, सुनीता, ज्योती, मोहित शर्मा, सुनील, जगबीर, रामपाल, व अन्य सभी स्टॉफ सदस्य व बच्चे उपस्थित रहे।

शाहजहांपुर थाने पर सीएलजी बैठक: डीएसपी चारुल गुप्ता ने साइबर अपराध, महिला सुरक्षा व सड़क नियमों की जानकारी दी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । उपखंड क्षेत्र के शाहजहांपुर थाने पर कम्युनिटी लाइजन ग्रुप (सीएलजी) सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को नीमराना डीएसपी चारुल गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा करना रहा। बैठक के दौरान डीएसपी चारुल गुप्ता ने साइबर फ्रॉड से बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या ओटीपी को साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना दें। इसके साथ ही महिला सुरक्षा, महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों की रोकथाम, सड़क सुरक्षा नियमों के पालन और हाईवे पर निर्धारित लेन में वाहन चलाने के महत्व पर भी जागरूक किया। सीएलजी सदस्यों एवं कस्बे के नागरिकों ने बैठक में कस्बे की ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने, अतिक्रमण हटाने, पुलिस गश्त बढ़ाने सहित कई स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। डीएसपी चारुल गुप्ता ने अवैध रूप से डीजल एवं पेट्रोल बेचने से होने वाले जान-माल के नुकसान के प्रति लोगों को सचेत किया और ऐसी गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने का आह्वान किया। इसके अलावा हाईवे पर होटल-ढाबों द्वारा बनाए गए अवैध कटों को लेकर भी चर्चा हुई। डीएसपी ने बताया कि ऐसे अवैध कट सड़क हादसों का बड़ा कारण बनते हैं और इन्हें हटाने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में शाहजहांपुर थाना प्रभारी प्रक्रिता सिंह, हेड कांस्टेबल राकेश यादव, दयानंद यादव, कमांडो राजेश बबेरवाल, कांस्टेबल रामसिंह गुर्जर, हनुमान सिंह, महिला कांस्टेबल संतोष, जगमाल सिंह यादव (पूर्व पुलिस अधिकारी), रामकिशन शर्मा (पूर्व सरपंच जोनायचा कलां), उमाशंकर यादव (सरपंच सिरयानी), घनश्याम दास गुप्ता, होशियार सिंह, शाहजहांपुर सरपंच प्रतिनिधि रूपेश यादव, विजेंद्र सिंह यादव, सामाजिक कार्यकर्ता दीपक यादव, ओमवीर चौधरी, कमल सिंह यादव, पत्थर मार्केट एसोसिएशन अध्यक्ष नाहर सिंह चौहान, सत्य प्रकाश गुप्ता, लक्ष्मीकांत गुप्ता, जयविंदर यादव, मिथुन कुमार, सोहन सिंह सहित बड़ी संख्या में सीएलजी सदस्य व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित नागरिकों को आश्वस्त किया कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com